संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 232
पृष्ठ 8
मंगलवार
12 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में बालों को रखें फ्रेश...

विचार- तीन राज्यों में उथल-पुथल...

खेल- भुवनेश्वर को टीम इंडिया में वापस...

काशी में मुख्यमंत्री योगी बोले-

सनातन संस्कृति को पराजित नहीं किया जा सकता

वाराणसी, संवाददाता। काशी में सीएम योगी ने सोमवार को कहा– जिन्होंने सनातन को मिटाने का प्रयास किया, आज वे खुद मिट्टी में मिल चुके हैं। मुहम्मद गौरी और औरंगजेब जैसे आक्रांताओं का अब कोई नाम लेने वाला नहीं है। सोमनाथ और काशी दोनों हमें इतिहास से संदेश देते हैं कि सनातन संस्कृति पर आक्रमण हो सकते हैं, लेकिन उसे पराजित नहीं किया जा सकता। विनाश क्षणिक होता है, जबकि सृजन शाश्वत होता है। इससे पहले, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम ने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में दर्शन–पूजन किया। मंदिर परिसर में का जाप किया। यहां सीएम ने राज्यपाल को पटका और रुद्राक्ष की माला पहनाई। सीएम और राज्यपाल ने पीएम मोदी को गुजरात के सोमनाथ मंदिर में जलाभिषेक का लाइव टेलिकास्ट देखा। दरअसल, गुजरात में सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के आज

75 साल पूरे हो रहे हैं। 11 मई 1951 को स्वतंत्र भारत में नए सिरे से बनाए गए सोमनाथ मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा हुई थी। इस उपलक्ष्य में सोमनाथ अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसी मौके पर काशी में भी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें छात्राओं और छात्रों ने शंखनाद के साथ डमरू वादन किया। गुजरात से काशी पहुंचीं महिलाओं ने पीएम मोदी के लिए 'वोट फॉर भाईसाहब' के नारे लगाए। औरंगजेब ने विश्वनाथ मंदिर को ध्वस्त कर गुलामी का ढांचा खड़ा किया योगी ने कहा कि हम सब इस बात को जानते हैं कि मुहम्मद गौरी से लेकर मुगलों तक कई विदेशी अतातायियों ने हमारी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नष्ट करने का प्रयास किया। औरंगजेब ने बाबा विश्वनाथ के प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर गुलामी का ढांचा यहां खड़ा किया। लेकिन वे भारत की आत्मा को नहीं तोड़ पाए। वे समझ नहीं पाए कि सनातन केवल मंदिरों की दीवारों में नहीं, बल्कि भारत की चेतना में बसता है। भारत की चेतना आत्मा को अजर और अमर मानकर चलती है। यही भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत हम सबके सामने झलकती है। काशी विश्वनाथ और सोमनाथ मंदिर भारत के गौरव सीएम ने कहा– काशी विश्वनाथ धाम हो या सोमनाथ महादेव का मंदिर, दोनों भारत के गौरव के प्रतीक हैं। काशी में काशी विश्वनाथ धाम का दिव्य और भव्य स्वरूप देखने को मिल रहा है। सोमनाथ मंदिर फिर उसी तेजस्विता के साथ भारत के गौरव का उद्घोष कर रहा है। दुर्भाग्य से आज भी ऐसी कई शक्तियां हैं, जो भारत के गौरव के प्रतीक इन आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को आगे बढ़ते हुए देखना नहीं चाहतीं। हम लोग यह भी जानते हैं कि वे कौन लोग थे, जिन्होंने सोमनाथ महादेव मंदिर के पुनर्प्रतिष्ठा कार्यक्रम में बाधा डाली थी। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में भी इन लोगों ने बार–बार बाधा खड़ी करने का प्रयास किया था। आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर के वैभव को खंडित करने का प्रयास किया सीएम ने कहा– 1000 साल पहले विदेशी आक्रांता महमूद गजनवी के आक्रमण सहित अन्य विदेशी आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर पर 17 बार आक्रमण किया। मंदिर के वैभव को खंडित करने का प्रयास किया। उन्हें यह भ्रम था कि मूर्ति को खंडित कर और इसके वैभव को लूटकर भारत की आत्मा को सदैव के लिए समाप्त किया जा सकता है। यह केवल सोमनाथ महादेव मंदिर के साथ ही नहीं हुआ, बल्कि भारत के हजारों स्थलों के साथ हुआ है। इसमें काशी विश्वनाथ धाम भी शामिल है। पहले भारतीयता और सनातन परंपरा को लेकर वैसी सोच नहीं थी सीएम योगी ने कहा कि आजादी के बाद एक समय ऐसा भी था, जब भारत अपनी सनातन परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को मजबूती से आगे बढ़ा सकता था। लेकिन उस दौर में भारत, भारतीयता और सनातन परंपरा को लेकर वैसी सोच नहीं थी।

सोमनाथ अमृत महोत्सव में बोले प्रधानमंत्री मोदी

हम ऐसा जीवन अपनाएं जिससे प्राकृतिक शैली की रक्षा हो

जामनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को गुजरात के सोमनाथ मंदिर में प्राण–प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा– आज का दिन एक और वजह से भी खास है। आज के ही दिन 11 मई 1998 को देश ने पोकरण में परमाणु परीक्षण किया था। तब दुनिया भर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतर गई थीं। भारत के लिए सारे रास्ते बंद कर दिए गए थे। लेकिन हम डरे नहीं, डटे रहे। भारत ने पोकरण परमाणु परीक्षण को ऑपरेशन शक्ति नाम दिया था। क्योंकि शिव के साथ शक्ति आराधना ही हमारी परंपरा रही है। मैं भगवान सोमनाथ के चरणों में नमन करते हुए ऑपरेशन शक्ति की बधाई देता हूं। सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि कोई भी राष्ट्र तब तक मजबूत नहीं बन सकता, जब तक वह अपनी जड़ों से जुड़ा न रहे।

हमारे देश में सांस्कृतिक और

पवित्र स्थलों के पुनर्निर्माण को लेकर काफी राजनीति हुई है। दुर्भाग्य से आज भी ऐसी ताकतें हैं, जो राष्ट्रीय स्वाभिमान से ज्यादा तुष्टिकरण को महत्व देती हैं। लुटेरों ने सोमनाथ मंदिर की भव्यता मिटाने की कोशिश की। इस मंदिर को बार–बार तोड़ा गया, लेकिन हर बार इसका पुनर्निर्माण हुआ। 11 मई 1998 को अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भारत ने अपना दूसरा परमाणु परीक्षण किया था। यह काफी गोपनीय ऑपरेशन था। इसकी तैयारियां इतनी गुप्त थीं कि विदेशी खुफिया एजेंसियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। इन परीक्षणों के जरिए भारत ने दुनिया को अपनी रणनीतिक और वैज्ञानिक ताकत दिखाई। लेकिन परमाणु परीक्षणों के बाद अमेरिका, जापान और कुछ पश्चिमी देशों ने भारत पर कई आर्थिक और तकनीकी प्रतिबंध लगाए थे। सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट से सैकड़ों परिवार जुड़े हैं।

गुजरात के बाकी हिस्सों में भी लोग आते हैं। यह मंदिर हमें हमारी जीवन जीने का तरीका सिखाती है। हमारी आस्था नदियों में, वृक्षों में है। हम जंगलों को भी श्रद्धा की दृष्टि से देखते हैं। आज जब दुनिया प्राकृतिक जीवनशैली की तरफ लौट रही है तो हमें जागरूक होना होगा।

सुप्रीम कोर्ट की डिजिटल पहल, सीजेआई सूर्यकांत बोले-

सूचनाओं को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की न्यायिक व्यवस्था को डिजिटल और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में सूर्यकांत ने सोमवार को दो बड़ी पहल की घोषणा की। सुप्रीम कोर्ट में दिन की कार्यवाही शुरू होने से पहले मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि न्यायपालिका वन केस वन डेटा नामक नई डिजिटल पहल शुरू कर रही है। सीजेआई ने कहा कि वन केस वन डेटा पहल के तहत देशभर के सभी हाईकोर्ट, जिला अदालतों और तालुका अदालतों की बहु–स्तरीय सूचनाओं को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा। इस सिस्टम में किसी केस से जुड़ी अलग–अलग अदालतों की जानकारी एक ही जगह उपलब्ध होगी, जिससे केस ट्रैकिंग और प्रबंधन अधिक प्रभावी हो सकेगा। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका एक ऐसे आधुनिक केस मैनेजमेंट सिस्टम की दिशा में काम कर रही है, जो अदालतों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करे और मामलों की सुनवाई प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाए। इस पहल का उद्देश्य न्यायिक डेटा को एकीकृत करना, केस रिकॉर्ड्स को डिजिटल रूप से जोड़ना और अदालतों में लंबित मामलों की निगरानी को आसान बनाना है। इससे न केवल न्यायिक प्रशासन को मजबूती मिलेगी, बल्कि आम नागरिकों वकीलों और न्यायपालिका से जुड़े अन्य पक्षों को भी सुविधा होगी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने अपनी वेबसाइट पर सु सहायता नाम का एआई आधारित चौटबॉट लॉन्च किया है।

राहुल बोले– देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं

सोना न खरीदें, विदेश न जाएं जैसी 7 अपीलें उपदेश नहीं, नाकामी के सबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया सात अपीलों पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी करार दिया। कहा कि अब देश चलाना प्रधानमंत्री के बस में नहीं रह गया है।

एक्स पर एक पोस्ट में राहुल ने लिखा, कल मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का उपयोग घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं।श

उन्होंने कहा, 12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं।'

दरअसल, रविवार को सिकंदराबाद में एक जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत हो सके और पर्यावरण की रक्षा हो सके।

पीएम मोदी रविवार को कहा था, श्आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनियाभर में पेट्रोल–डीजल के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। भारत पर इस वैश्विक संकट का असर ज्यादा है, हमारे पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं। पेट्रोल, गैस और डीजल बचाने के लिए हमें वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों की जरूरत है। अनावश्यक वाहन उपयोग कम करें। मेट्रो में सफर और कारपूलिंग करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को उसमें बैठाकर ले जाएं। हर परिवार अगर खाने के तेल का इस्तेमाल थोड़ा कम करे तो इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी और लोगों की सेहत भी बेहतर रहेगी।

देश को रासायनिक उर्वरकों की खपत आधी करने का लक्ष्य रखना चाहिए और तेजी से प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना चाहिए। शादियों, छुट्टियों और अन्य कारणों से विदेश यात्रा कुछ समय के लिए टालना देशहित में होगा। सोने के आयात में बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। देशहित में लोगों को एक साल तक सोना खरीदने और दान करने से बचना चाहिए। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, श्भाजपा सरकार अर्थव्यवस्था और विदेश नीति दोनों को संभालने में विफल रही है। जैसे ही चुनाव खत्म हुए, सरकार को अचानक 'संकट' याद आ गया। असल में देश के लिए केवल एक ही संकट है और उसका नाम भाजपा है।" आप नेता संजय सिंह ने कहा, 'कल पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दो महीनों से सरकार आपका बोझ उठा रही थी। अब जब चुनाव खत्म हो गए हैं, तो आपकी उपयोगिता भी खत्म हो गई। आपका बोझ तब तक उठाया, जब तक पांच राज्यों में चुनाव चल रहे थे। अब वे लोगों से कह रहे हैं कि तेल, पेट्रोल और गैस कम इस्तेमाल करें और सोना न खरीदें। क्या उन्हें चुनाव के दौरान यह सब याद नहीं था।' कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा,श्आर्थिक स्थिति आधिकारिक आंकड़ों और प्रधानमंत्री और उनके सहयोगियों के अब तक किए जा रहे दावों से कहीं ज्यादा गंभीर है।

आजादी के बाद से श्रमिकों के अधिकारों को सबसे बड़ा झटकाः कांग्रेस

नई दिल्ली,एजेंसी। नए श्रम कानूनों को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को केंद्र सरकार पर हमला बोला। पार्टी ने इसे आजादी के बाद से श्रमिकों के अधिकारों को लेकर अबतक का सबसे बड़ा झटका बताया। पढ़ें पूरी रिपोर्ट कांग्रेस ने सोमवार को केंद्र सरकार पर जमकर हमला किया। पार्टी ने कहा कि सरकार ने चारों श्रम संहिताओं (लेबर कोड) के अंतिम नियम लागू कर दिए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि ये नए श्रम कानून आजादी के बाद से मजदूरों अधिकारों पर सबसे बड़ा हमला हैं। विधानसभा चुनाव समाप्त होने का इंतजार किया एक बयान में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मोदी सरकार ने अपने विशिष्ट कायरतापूर्ण तरीके से, विधानसभा चुनाव समाप्त होने का इंतजार किया। फिर 8 और 9 मई, 2026 को राजपत्र अधिसूचनाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से चार 'श्रमिक विरोधी' श्रम संहिताएं अधिसूचित कीं। खरगे ने एक बयान में कहा, श्भारत के करोड़ों श्रमिकों के लिए, ये संहिताएं हायर–एंड–फायर नीतियों, संविदा रोजगार और संघीकरण के लिए सीमित गुंजाइश वाले भविष्य का वादा करती हैं।श श्रमिकों के अधिकारों के लिए झटका उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि मोदी सरकार ने बिना किसी परामर्श के इन श्श्रमिक विरोधीश कानूनों का मसौदा तैयार किया और उन्हें लागू किया। उन्होंने आगे आरोप लगाया श2015 के बाद से भारतीय श्रम सम्मेलन का आयोजन तक नहीं किया गया है। ये संहिताएं, जिनसे केवल प्रधानमंत्री के उद्योगपति मित्रों को ही लाभ होता है। स्वतंत्रता के बाद से श्रमिकों के अधिकारों के लिए सबसे बड़ा झटका हैं।श उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस भारत के श्रमिकों के लिए अपने दृष्टिकोण पर दृढ़ संकल्पित है।

अश्विनी वैष्णव ने बताया पीएम ने क्यों की ईंधन बचाने की अपील ?

जंग के बीच विदेशी मुद्रा बचाने की जरूरत

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए डीजल–पेट्रोल का खर्च घटाने की अपील की है। उन्होंने कहा, क्योंकि युद्ध अभी भी चल रहा है और कल के घटनाक्रम को देखते हुए हम सभी जानते हैं कि युद्धविराम अभी बहुत दूर है। इसके साथ ही उन्होंने, सेमीकंडक्टर पर भी दिया बड़ा अपडेट दिया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश की आर्थिक स्थिति और तकनीकी प्रगति पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर युद्ध अभी थमा नहीं है। हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए लगता है कि शांति स्थापित होने में अभी काफी समय लगेगा। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से एक विशेष आग्रह किया है। हमें उन सभी वस्तुओं

पर अपना खर्च घटाना होगा, जिन्हें खरीदने के लिए देश को विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। क्या बोले अश्विनी वैष्णव अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया कि नागरिक अपनी जीवनशैली में बदलाव लाकर विदेशी मुद्रा बचाने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने डीजल और पेट्रोल का उदाहरण देते हुए कहा कि इनका कम उपयोग देश की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा होगा। मंत्री ने व्यापारियों और उद्यमियों से भी अपील की कि वे अपने स्तर पर विदेशी मुद्रा बचाने के रास्ते खोजें। उन्होंने जोर दिया कि हमें केवल बचत ही नहीं करनी है, बल्कि ज्यादा से ज्यादा विदेशी मुद्रा कमाने के प्रयास भी करने होंगे। ये दोनों प्रक्रियाएं साथ–साथ चलनी चाहिए। सेमीकंडक्टर निर्माण पर दिया बड़ा अपडेट सेमीकंडक्टर निर्माण के मुद्दे पर मंत्री ने बड़ी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत ने इस दिशा में अपनी यात्रा साल 1962 में शुरू की थी। इस लक्ष्य को पाने के लिए देश के कई पूर्व प्रधानमंत्रियों ने अपने–अपने समय में गंभीर प्रयास किए। पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और डॉक्टर मनमोहन सिंह ने इस क्षेत्र में भारत को आगे ले जाने की कोशिश की। हालांकि, इन दशकों पुराने प्रयासों को असली सफलता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में मिली है। आज भारत सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान में देश की दो फैक्ट्रियां व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर चुकी हैं। तीसरी फैक्ट्री इसी साल जुलाई के महीने में उत्पादन शुरू कर देगी। इसके बाद चौथी फैक्ट्री भी नवंबर या दिसंबर तक तैयार हो जाएगी। मंत्री ने सभी नागरिकों और उद्यमियों से प्रधानमंत्री के इस आह्वान को गंभीरता से लेने और देश की प्रगति में योगदान देने का अनुरोध किया है।

दुष्कर्म के आरोपी कनाडाई नागरिक को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत, मंजूर की अग्रिम जमानत

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले में कनाडाई नागरिक को अग्रिम जमानत दे दी है। अदालत ने कहा कि असत्यापित आरोपों के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि आरोपी को नैतिक रूप से निंदनीय ठहराया जाए। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने मनप्रीत सिंह गिल, जो एक कनाडाई नागरिक है, को यह राहत दी। पंजाब पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर उनके खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया था। महिला ने 11 नवंबर, 2025 को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि गिल ने महिला को अपने वैवाहिक स्थिति के बारे में गुमराह किया और दोनों के बीच संबंध आगे तक बढ़े। महिला का आरोप है कि गिल ने उसे एक पुरानी शिकायत वापस लेने की धमकी दी और 9–10 नवंबर, 2025 की मध्य रात्रि को शराब पिलाकर और धमकाकर उसके साथ यौन संबंध बनाए। गिल ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसने उन्हें गिरफ्तारी पूर्व जमानत देने से इनकार कर दिया था। उनकी वकील अधिवक्ता सना रईस खान ने तर्क दिया कि दोनों के बीच संबंध आपसी सहमति से थे। खान ने यह भी दलील दी कि एफआईआर (प्रथम सूचना रिपोर्ट) को जबरन वसूली के इरादे से दर्ज कराया गया था। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता को रिश्ते की शुरुआत से ही गिल की वैवाहिक स्थिति के बारे में पूरी जानकारी थी। वकील ने महत्वपूर्ण विसंगतियों पर भी प्रकाश डाला, जैसे कि कथित वीडियो 2 नवंबर, 2025 को प्राप्त हुआ था, लेकिन 11 नवंबर, 2025 को दर्ज एफआईआर में इस महत्वपूर्ण आरोप का कोई उल्लेख नहीं था।

घर की दीवार से टकराई अनियंत्रित बाइक, पिता-पुत्री की मौत

प्रयागराज। मेजारोड–रामनगर मार्ग पर रविवार शाम सोरांव गांव के सामने अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे घर की दीवार से जा टकराई। हादसे में पिता–पुत्री की मौत हो गई, जबकि मृतक पिता का चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया।

मेजारोड–रामनगर मार्ग पर रविवार शाम सोरांव गांव के सामने अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे घर की दीवार से जा टकराई। हादसे में पिता–पुत्री की मौत हो गई, जबकि मृतक

पिता का चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मेजा थाना क्षेत्र के पकरी सेवार गांव निवासी कोटेदार संजय सोनकर (35) रविवार को अपनी तीन साल की बेटी लाडली और चचेरे भाई बहादुर (15) के साथ बाइक से बसहरा गांव में भतीजी की विदाई कराने गए थे। विदाई के बाद वह बेटी और चचेरे भाई के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह मेजारोड के सोरांव गांव के सामने पहुंचे, उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे घर की दीवार से जा टकराई। हादसे में तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे मेजारोड चौकी इंचार्ज हरिओम सिंह ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने संजय को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बच्ची और चचेरे भाई को एसआरएन अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। एसआरएन अस्पताल में इलाज के दौरान बच्ची की भी मौत हो गई। पत्नी पूनम सोनकर ने बताया कि मदर्स–डे पर रात में कार्यक्रम होना था, जिसकी तैयारी पति ने की थी। नियति को कुछ और ही मंजूर था। पूनम ने बताया कि सुबह भतीजी की विदाई के लिए जाते वक्त संजय ने कहा था कि जल्दी आकर मदर्स–डे मनाया जाएगा।

चयन प्रक्रिया में असफल होने के बाद अभ्यर्थी विज्ञापन को नहीं दे सकता चुनौती

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राजकीय यूनानी मेडिकल कॉलेजों में रीडर के पद पर नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा, यदि कोई अभ्यर्थी चयन प्रक्रिया में भाग लेता है और असफल हो जाता है तो उसे विज्ञापन की शर्तों या चयन प्रक्रिया की वैधता को चुनौती देने का कोई अधिकार नहीं रह जाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राजकीय यूनानी मेडिकल कॉलेजों में रीडर के पद पर नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा, यदि कोई अभ्यर्थी चयन प्रक्रिया में भाग लेता है और असफल हो जाता है तो उसे विज्ञापन की शर्तों या चयन प्रक्रिया की वैधता को चुनौती देने का कोई अधिकार नहीं रह जाता।

यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की पीठ ने प्रयागराज निवासी अभ्यर्थी की ओर से दायर याचिका पर दिया है। याची ने उप्र लोक सेवा आयोग की ओर से 24 सितंबर 2019 को जारी विज्ञापन के तहत राजकीय यूनानी मेडिकल कॉलेजों के लिए रीडर पद के लिए आवेदन किया था। याची साक्षात्कार तक पहुंचीं लेकिन अंतिम चयन सूची में उनका नाम नहीं आया। वहीं, प्रतिवादी को सफल घोषित कर दिया गया। याची ने प्रतिवादी के चयन और भर्ती प्रक्रिया को चुनौती देते हुए याचिका दायर की।

याची का कहना था कि उनके पास स्नातकोत्तर (पीजी) की डिग्री थी जो एक अधिमान्य योग्यता थी, इसलिए उन्हें कम योग्यता वाले अभ्यर्थी पर वरीयता मिलनी चाहिए थी। अन्य कई दलीलें दीं। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद विज्ञापन में अनियमितता के आरोपों को नहीं माना। कहा कि जब विज्ञापन में अनिवार्य योग्यता के साथ अधिमान्य योग्यता का उल्लेख होता है तो इसका अर्थ केवल यह है कि समान अंक प्राप्त करने वाले दो अभ्यर्थियों के बीच पीजी डिग्री धारक को प्राथमिकता दी जाएगी। इसका मतलब यह नहीं है कि उच्च योग्यता रखने वाला व्यक्ति स्वतः ही चयन का हकदार हो जाता है।

घरेलू दूषित जल को साफ करने में अश्वगंधा बनी कारगर, हाइड्रोपोनिक्स तकनीक से मिला नया समाधान

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के सुशील कुमार और साक्षी अग्रहरि ने एक ऐसा शोध किया है जो भविष्य में पानी की कमी और गंदे पानी के निस्तारण की समस्या का समाधान बन सकता है। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के सुशील कुमार और साक्षी अग्रहरि ने एक ऐसा शोध किया है जो भविष्य में पानी की कमी और गंदे पानी के निस्तारण की समस्या का समाधान बन सकता है। यह शोध अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक जर्नल केमोस्फीयर में प्रकाशित हुआ है। शोध में वैज्ञानिकों ने अश्वगंधा पौधे का उपयोग करके घरेलू दूषित पानी (ग्रे वाटर) यानी रसोई, स्नान घर और कपड़े धोने से निकलने वाले पानी को साफ करने का सफल प्रयोग किया। खास बात यह रही कि प्रक्रिया में पौधों के औषधीय गुण भी सुरक्षित रहे और कई मामलों में बढ़े हुए भी पाए गए। शोधकर्ताओं ने हाइड्रोपोनिक्स की न्यूट्रिएंट फिल्म तकनीक (एनएफटी) का इस्तेमाल किया। इसमें पौधों को मिट्टी के बजाय पानी और पोषक तत्वों वाले माध्यम में उगाया गया। पीवीसी पाइप, एलईडी लाइट और पानी की टंकी से तैयार इस प्रणाली में अश्वगंधा के पौधे लगाए गए।

120 दिन तक चले इस प्रयोग में वैज्ञानिकों ने पाया कि गंदे पानी से कई हानिकारक तत्व काफी हद तक हट गए। शोध के अनुसार केमिकल ऑक्सीजन डिमांड (सीओडी) में 97.74 फीसदी, फॉस्फोरस में 93.62 फीसदी और नाइट्रेट–नाइट्रोजन में 89.68 फीसदी की कमी आई। हाइड्रोपोनिक्स मिट्टी के बिना केवल पानी और पोषक तत्वों के घोल का उपयोग करके पौधे उगाने की एक आधुनिक तकनीक है। इस विधि में पौधों को आवश्यक खनिज सीधे पानी के माध्यम से मिलते हैं, इससे वे सामान्य मिट्टी की खेती की तुलना में 50 फीसदी तेजी से बढ़ सकते हैं।

पौधों की वृद्धि भी हुई बेहतर

प्रयोग के दौरान अश्वगंधा के पौधों में गीला बायोमास 72 फीसदी तक बढ़ा, जड़ों की लंबाई और पत्तियों की संख्या में इजाफा हुआ। वैज्ञानिकों ने क्लोरोफिल, फेनोलिक तत्व और एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि की भी जांच की। पाया कि पौधों की औषधीय क्षमता पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ा।

हाईकोर्ट ने कहा- तारीख पे तारीख के लिए जज नहीं, बल्कि पुलिस और सरकार जिम्मेदार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य की ट्रायल कोर्टों में मुकदमों के अंबार और ष्तारीख पे तारीखष् की समस्या पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण और कड़ा फैसला सुनाया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य की ट्रायल कोर्टों में मुकदमों के अंबार और ष्तारीख पे तारीखष् की समस्या पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण और कड़ा फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आपराधिक मामलों के निस्तारण में होने वाली देरी के लिए न्यायिक अधिकारियों की क्षमता को दोष देना गलत है, बल्कि इसके लिए मुख्य रूप से राज्य सरकार द्वारा स्टाफ की कमी और पुलिस विभाग की लापरवाही जिम्मेदार है।

न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि एक स्वतंत्र और पारदर्शी न्यायिक प्रणाली लोकतंत्र की रीढ़ होती है, लेकिन यदि न्यायपालिका को बुनियादी ढांचे और कर्मचारियों के लिए सरकार की दया पर निर्भर रहना पड़े, तो वह एक संघर्षरत सरकारी विभाग की तरह बनकर रह जाती है। यह कठोर टिप्पणी मेवालाल प्रजापति की जमानत

अर्जी पर सुनवाई के दौरान सामने आई, जिसमें न्यायालय ने पाया कि अदालतों में लंबित मुकदमों की समस्या बहुआयामी है और इसके पीछे प्रशासनिक कमियां हैं।

न्यायालय ने रेखांकित किया कि ट्रायल अदालतों में पेशकार, आशुलिपिक और अन्य अनुसचिवीय कर्मचारियों की भारी कमी है, जिसके कारण एक–एक क्लर्क हजारों फाइलों का बोझ संभाल रहा है। इसके अलावा, पुलिस की ओर से अदालती समन और वारंट का समय पर तामील न करना और गवाहों, विशेषकर पुलिस अधिकारियों का अदालत में पेश न होना देरी का एक बड़ा कारण है।

फैसले के लिए गवाह की उपस्थिति और फॉरेंसिक जांच अहम

न्यायालय ने वर्ष 1993 की प्रसिद्ध फिल्म ष्दामिनीष् के संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि ष्तारीख पे तारीखष् आम आदमी की धारणा बन चुकी है, लेकिन सच्चाई यह है कि एक न्यायाधीश तब तक मामले का फैसला नहीं कर सकता जब तक पुलिस अभियुक्तों और गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित न करे और समय पर सही फॉरेंसिक रिपोर्ट उपलब्ध न कराई जाए।

कोर्ट ने यह भी पाया कि फॉरेंसिक लैब (एफएसएल) की स्थिति दयनीय है, जहां आधुनिक मशीनों और स्टाफ की कमी के कारण रिपोर्ट आने में लंबा समय लगता है। वर्तमान में यूपी की फॉरेंसिक लैब पुलिस विभाग का हिस्सा हैं, जिससे वे प्रशासनिक और वित्तीय रूप से स्वतंत्र नहीं हैं, इसलिए कोर्ट ने इन्हें गृह मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त विभाग बनाने का सुझाव दिया है।

न्यायालय ने डिजिटल इंडिया के दौर में आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल पर भी जोर दिया है। अब ई–समन और ई–वारंट भेजने के लिए व्हाट्सएप, टेलीग्राम और ईमेल जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग अनिवार्य किया गया है। साथ ही, पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वे गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए श्स्पीच–टू–टेक्स्ट एआईश (एआई) मॉड्यूल का उपयोग करें ताकि मैन्युअल रिकॉर्डिंग में लगने वाला समय कम हो सके।

मॉनिटरिंग सेल में मौजूद रहें एसपी और कमिश्नर

कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि जिला पुलिस प्रमुखों और कमिश्नरों को जिला जज की अध्यक्षता वाली मॉनिटरिंग सेल की बैठकों में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा, क्योंकि उनकी अनुपस्थिति न्यायिक प्रोटोकॉल का अपमान है। अंत में, न्यायालय ने पंजाब और हरियाणा की तर्ज पर उत्तर प्रदेश के सभी न्यायिक अधिकारियों को निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) प्रदान करने की व्यवहार्यता पर विचार करने का निर्देश दिया है, ताकि वे बिना किसी भय या दबाव के न्याय कर सकें। इस आदेश की एक प्रति मुख्यमंत्री के अवलोकन के लिए भी भेजने का निर्देश दिया गया है ताकि प्रशासनिक स्तर पर इन सुधारों को गति मिल सके। जहां तक मूल मामले की बात है, न्यायालय ने साक्ष्यों की गंभीरता और अपराध की प्रकृति को देखते हुए आरोपी की जमानत अर्जी को फिलहाल खारिज कर दिया है।

ये प्रयागराज है, बदहाली के गड्ढों से जान का खतरा, उड़ती धूल सांसों पर भारी

प्रयागराज। राजरूपपुर वार्ड में तीन ऐसे मुख्य मार्ग हैं, जिनसे होकर गुजरना लोगों के लिए टेढी खीर है। इन मार्गों पर बिखरी गिट्टी व छोटे–बड़े

जानलेवा गड्ढे राहगीरों को खतरे में डाल रहे हैं। सड़कों पर उड़ती धूल लोगों में सांस की बीमारी फैला रही है। राजरूपपुर वार्ड में तीन ऐसे मुख्य मार्ग हैं, जिनसे होकर गुजरना लोगों के लिए टेढी खीर है। इन मार्गों पर बिखरी गिट्टी व छोटे–बड़े जानलेवा गड्ढे राहगीरों को खतरे में डाल रहे हैं। सड़कों पर उड़ती धूल लोगों में सांस की बीमारी फैला रही है।

इनमें सबसे बड़ी दिक्कत वीर अब्दुल हमीद चौराहे से एयरपोर्ट तक 120 फीट रोड है। इस सड़क को ट्रिपलआईटी मार्ग भी कहते हैं। वीर अब्दुल हमीद तिराहे से नंदी तिराहे तक करीब एक किलोमीटर यह सड़क बुरी तरह से क्षतिग्रस्त है। इसकी वजह से सैनिक कॉलोनी, मौसम विहार, प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी, जागृति विहार व मंगल विहार कॉलोनी के लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

इन कॉलोनियों में रहने वाले हजारों परिवार गंदगी, मार्ग दुर्घटना, असुरक्षा व सांस की बीमारी के बीच जीवन गुजार रहे हैं। इस सड़क पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। कोई अन्य रास्ता भी नहीं है। अन्य दो मार्ग नंद गांव से मौसम विहार कॉलोनी और जागृति चौराहे से मुजफ्फर बालू तक की सड़क का भी यही हाल है। इन सड़कों की स्थिति को देखते हुए, इन कॉलोनी के आसपास कोई भी दुकान खोलने को तैयार नहीं है। अगर नमक का एक पैकेट भी लेना होता है, तो लोगों को 20 रुपये का पेट्रोल खर्च कर दूसरे इलाके में जाना पड़ता हैं।

क्षतिग्रस्त सड़कों के साथ बदहाल गलियां

यहां की सड़कें ही क्षतिग्रस्त नहीं हैं, बल्कि गलियां भी अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही हैं। इनमें गोकुल सेक्टर व नंद गांव की गली का हाल सबसे बुरा है। नंद गांव गली में ही 22 बीघे का पार्क है, जिसे विकसित करने की योजना नगर निगम की तरफ से बनाई गई है। मगर पार्क को विकसित करने से पहले गलियों की मरम्मत जरूरी है। ऐसा न हुआ, तो लोगों का पार्क तक पहुंचना मुश्किल हो जाएगा।

बड़ी मुश्किल से पाई–पाई जमा करके कॉलोनी में फ्लैट लिया लेकिन सड़क की हालत को देखकर यहां रहने में डर लगता है। रितुवेंद्र सिंह, मौसम विहार कॉलोनी

सड़क पर आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं। कई बार शिकायत की गई, मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। – नितिन खरे, मंगल विहार कॉलोनी

अगर ये सड़क बन जाए तो हमारी बड़ी समस्या हल हो जाए। मगर यह कब बनेगी कुछ अता–पता नहीं है। – सूबेदार ओम प्रकाश पाल, आर्मी कॉलोनी।

यह तीनों मार्ग महत्वपूर्ण हैं। क्षतिग्रस्त सड़क की वजह से लोग बहुत परेशान हैं। गलियों का हाल भी बुरा है। उम्मीद है कि जल्द ही समस्या का हल हो जाएगा। – मिथलेश सिंह, पार्षद, राजरूपपुर।

ग्राम सभा पैनल अधिवक्ता के छह पदों पर होगी नियुक्ति, नियुक्ति के बाद निजी प्रैक्टिस पर प्रतिबंध

प्रयागराज। प्रशासन जिले की पांच तहसीलों में ग्राम सभा पैनल लॉयर (नामिका अधिवक्ता) के छह पदों पर नियुक्ति करने जा रहा है। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मुख्य राजस्व कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त व जमा करने की अंतिम तिथि 22 मई निर्धारित की गई है।

प्रशासन जिले की पांच तहसीलों में ग्राम सभा पैनल लॉयर (नामिका अधिवक्ता) के छह पदों पर नियुक्ति करने जा रहा है। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मुख्य राजस्व कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त व जमा करने की अंतिम तिथि 22 मई निर्धारित की गई है।

तहसील सदर, करछना, बारा, मेजा व कोरांव में एसडीएम/तहसीलदार न्यायालयों में मुकदमों की पैरवी करने के लिए छह पदों पर नियुक्ति की जानी है। कोरांव तहसील में दो पदों और बाकी चार तहसीलों में एक–एक पद पर नियुक्ति होनी है। इसमें बार कौंसिल से एडवोकेट के रूप में पंजीकृत उन अधिवक्ताओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिनके पास कम से कम सात वर्ष की वकालत का अनुभव है।

मुख्य राजस्व अधिकारी संजय कुमार पांडेय के अनुसार केवल उन्हीं अधिवक्ताओं के आवेदन पत्रों पर विचार किया जाएगा, जिनकी आयु फॉर्म भरने

की तिथि तक 59 वर्ष से अधिक न हो। पहले से किसी सरकारी या गैर सरकारी वैतनिक पद पर कार्यरत अथवा किसी कॉलेज में पूर्णकालिक प्रवक्ता, शपथ आयुक्त, न्याय मित्र, नोटरी विवाह अधिकारी आदि पद धारकों के आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

नियुक्ति के बाद निजी प्रैक्टिस पर प्रतिबंध होगा। राज्य सरकार, केंद्र सरकार या केंद्र/राज्य की ओर से स्थापित/नियंत्रितक उपक्रम, निगम, राजकीय कंपनी, परिषद, स्थानीय निकाय, स्वायत्तशासी संस्थाओं एवं प्राधिकरणों के वादों की पैरवरी शासन/नियुक्ति प्राधिकारी की अनुमति से ही करने का अधिकार होगा। यह नियुक्ति राज्य कर्मचारी की नियुक्ति से पूरी तरह भिन्न होगी और शासन से निर्धारित पारिश्रमिक ही देय होगा।

यह नियुक्ति निर्धारित अवधि के लिए व्यावसायिक आबद्धता के रूप में की जाएगी, जिसको बिना कारण बताए समाप्त करने का अधिकार शासन, परिषद, जिलाधिकारी को होगा। अन्य जानकारी एवं आवेदन पत्र का प्रारूप राजस्व सहायक कलक्ट्रेट प्रयागराज के पटल से प्राप्त किए जा सकता है। अधिवक्ता तहसील के किसी एक पद पर आवेदन कर सकते हैं।

तहसीलों में लंबित मुकदमों का तेजी से होगा निस्तारण

तहसीलों में लंबित मुकदमों की संख्या लगातार बढ़ रही है और डीएम राजस्व की समीक्षा बैठक में नियमित रूप से यह निर्देश दे रहे हैं कि मुकदमों के निस्तारण में तेजी लाई जाए। ग्राम सभा पैनल अधिवक्ता के छह पदों पर नियुक्ति से लंबित मुकदमों के निस्तारण में तेजी आएगी।

एडीएम नजूल को उप संचालक चकबंदी का अतिरिक्त कार्यभार

शासन ने प्रयागराज के अपर जिलाधिकारी (एडीएम) नजूल संजय कुमार पांडेय को उनके वर्तमान पदीय दायित्वों के साथ उप संचालक चकबंदी प्रयागराज का अतिरितक्त कार्यभार प्रदान किया है। विशेष सचिव विनीत प्रकाश की ओर से जारी किए गए आदेश के अनुसार अतिरिक्त कार्यभार के लिए के लिए अलग से कोई वित्तीय लाभ अनुमन्य/देय नहीं होगा। एडीएम नजूल के पास मुख्य राजस्व अधिकारी के पद की भी अतिरिक्त जिम्मेदारी है।

अभ्यर्थियों को सिविल सेवा स्तर के लगे प्रवक्ता भर्ती परीक्षा के सवाल, छूटे पसीने

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित प्रवक्ता संवर्ग की लिखित परीक्षा रविवार को दो पालियों में हुई। परीक्षा में विभिन्न विषयों के प्रश्नों को लेकर अभ्यर्थी खासी उलझन में रहे। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित प्रवक्ता संवर्ग की लिखित परीक्षा रविवार को दो पालियों में हुई। परीक्षा में विभिन्न विषयों के प्रश्नों को लेकर अभ्यर्थी खासी उलझन में रहे। कई अभ्यर्थियों ने प्रश्नों के स्तर को कठिन बताते हुए कहा कि सवाल ऐसे पूछे गए, मानो वे सिविल सेवा की परीक्षा में बैठे हों।

दो दिन में आयोजित परीक्षा में कुल 1,92,934 अभ्यर्थी शामिल हुए, जो कुल पंजीकृत अभ्यर्थियों का 41.53 प्रतिशत रहा। प्रथम पाली में नागरिक शास्त्र, गणित, अर्थशास्त्र, संस्कृत एवं मनोविज्ञान विषयों की परीक्षाएं हुईं, जबकि द्वितीय पाली में रसायन विज्ञान, भूगोल, हिंदी और कला विषयों की परीक्षाएं कराई गईं।

पहली पाली सुबह 9रू30 बजे से 11रू30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2रू30 बजे से 4रू30 बजे तक चली। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि परीक्षा का संचालन पूर्ण पारदर्शिता, नकल विहीन एवं सुव्यवस्थित वातावरण में कराया गया। आयोग में स्थापित एआई एकीकृत नियंत्रण कमांड कक्ष से सभी परीक्षा केंद्रों की लगातार निगरानी की गई।

उन्होंने बताया कि तकनीकी पारदर्शिता को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पायलट प्रोजेक्ट के तहत लखनऊ के चयनित केंद्रों पर परीक्षा समाप्त होते ही अभ्यर्थियों की ओएमआर उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग परीक्षा कक्ष में ही कराई गई। यह प्रक्रिया अभ्यर्थियों की उपस्थिति में हुई और स्कैन डाटा को तत्काल सुरक्षित किया गया। इसकी निगरानी भी एआई एकीकृत नियंत्रण कक्ष से की गई। आयोग के अनुसार नौ मई की परीक्षा में कुल 89,766 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जिनमें महिलाओं की उपस्थिति 34.89 प्रतिशत और पुरुषों की उपस्थिति 42.26 प्रतिशत रही। वहीं, 10 मई की परीक्षा में 1,03,168 अभ्यर्थी शामिल हुए, जिनमें महिलाओं की उपस्थिति 41.92 प्रतिशत और पुरुषों की उपस्थिति 48.08 प्रतिशत दर्ज की गई। गाजीपुर से आए हरिकेश ने बताया कि प्रश्नों के विकल्प काफी भ्रमित करने वाले थे। बारीकी से पढ़ने के बाद ही सही उत्तर समझ में आ रहा था। चंदौली के संतोष मिश्रा ने बताया कि गणित में पूछा गया प्रश्न श्श्श्(•–)(•–इ) का न्यूनतम मान क्या होगाश्श्श्श काफी उलझाने वाला था और इसके केवल दो विकल्प दिए गए थे। गाजीपुर के प्रभात श्रीवास्तव ने बताया कि तार्किक क्षमता से जुड़ा सवाल पूछा गया था कि यदि किसी व्यापारिक बैठक में 11 लोग हों और सभी एक–दूसरे से हाथ मिलाएं, तो कुल कितनी बार हाथ मिलाया जाएगा। इसके विकल्प 11, 66, 55 और 44 दिए गए थे। जौनपुर से आए राजेंद्र तिवारी ने कहा कि परीक्षा के प्रश्नों का स्तर काफी ऊंचा था।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित प्रवक्ता (पीजीटी) संवर्ग की लिखित परीक्षा चार बार स्थगित होने और करीब चार वर्ष के लंबे इंतजार के बाद नौ एवं 10 मई को आयोजित हुई। हालांकि, भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों की उपस्थिति काफी कम रही। कुल 58.47 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड ने वर्ष 2022 में विज्ञापन संख्या–2 जारी कर पीजीटी भर्ती के लिए आवेदन मांगे थे। आवेदन प्रक्रिया नौ जून से 10 जुलाई 2022 तक चली। भर्ती में बालक वर्ग के 549 पद शामिल थे, जिनमें 332 सामान्य वर्ग, 153 अन्य पिछड़ा वर्ग तथा 64 अनुसूचित जाति के पद निर्धारित किए गए थे। वहीं, बालिका वर्ग में कुल 75 पद शामिल थे। कुल 624 पदों के लिए 4,64,605 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। यह परीक्षा पहले 11 व 12 अप्रैल 2025, 20 व 21 जून 2025, 18 व 19 जुलाई 2025 और 15 व 16 अक्तूबर 2025 को प्रस्तावित की गई थी, लेकिन विभिन्न कारणों से चार बार परीक्षा स्थगित करनी पड़ी।

बनारस–प्रयागराज रेलखंड पर बिछाया जा रहा लोहे का सुरक्षा कवच, रोके जा सकेंगे पशुओं के हादसे

प्रयागराज। पूर्वोत्तर रेलवे के बनारस मंडल ने वाराणसी और प्रयागराज रेलखंड पर कुल 250 किलोमीटर ट्रैक के किनारे लोहे की मजबूत बैरिकेडिंग करनी शुरू कर दी है। पूर्वोत्तर रेलवे के बनारस मंडल ने वाराणसी और प्रयागराज रेलखंड पर कुल 250 किलोमीटर ट्रैक के किनारे लोहे की मजबूत बैरिकेडिंग करनी शुरू कर दी है। इस परियोजना के तहत अप और डाउन दोनों लाइनों के किनारे करीब डेढ़ मीटर ऊंचे क्रैश बैरियर लगाने का काम शुरू किया गया है। इससे ट्रैक पर आवारा पशुओं और नीलगायों के आने से होने वाले हादसे को रोका जा सकेगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार वंदे भारत जैसी हाईस्पीड ट्रेनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ट्रैक की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिछले दो वर्षों में ट्रैक दोहरीकरण और तकनीकी सुधारों के जरिए ट्रेनों की औसत गति 90–100 किलोमीटर प्रति घंटा से बढ़ाकर 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंचा दी गई है।

पूर्वोत्तर हिन्दी साहित्य सम्मेलन ने मनाया अपना स्थापना दिवस

विश्वनाथ। 10 मई को असम के सिलचर शहर में पूर्वोत्तर हिन्दी साहित्य सम्मेलन का 11 वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम यहां के प्रतिष्ठित होटल बोराइल होम स्टे के शानदार हॉल में आयोजित की गई। देशभर से पधारे साहित्यकारों के इस समागम का सारा श्रेय जाता है संस्था की अध्यक्षा और संस्थापिका रीता सिंह सर्जना और उन्हें सहयोग करने वाली सीमा सिंह स्वास्तिका और मधु पारख जी को।

कार्यक्रम में न्यू बंगाईगांव से पधारे देश के जाने माने कवि और विश्व हिन्दी परिषद के प्रांतीय महासचिव श्री विनय कुमार श्बुद्धश को अन्य कवि कवयित्रियों के साथ सम्मानित किया गया। कार्यक्रम

के मुख्य अतिथियों में आगरा से पधारी वरिष्ठ कवयित्री श्रीमती सुभदा पाण्डेय, भोपाल से पधारी जानी मानी लघुकथा विशेषज्ञ श्रीमती कांता राय और दार्जिलिंग से पधारे श्री विर्ख खड़का डुवसेन्ली थे। चार सत्र में आयोजित इस आयोजन में सम्मान समारोह, लघुकथा पर परिचर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और काव्य गोष्ठी के सत्र रखे गए। इस अवसर पर संस्था की वार्षिक पत्रिका पूर्वोत्तर सृजन का लोकार्पण किया गया। जिसमें देश भर के साहित्यकारों के विविध विधा की रचनाएं शामिल है।

कार्यक्रम के संचालन का जिम्मा श्रीमती मधु पारख और श्रीमती सीमा सिंह स्वास्तिका ने बखूबी निभाई। उनकी सधी हुई उद्घोषणा से कार्यक्रम में जान आ गई। सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन के बाद समिति का प्रतिवेदन प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात साहित्य, कला और समाजसेवा से जुड़े लोगों को असमिया गमछा, मोमेंटो व तिलक लगाकर सम्मानित किया गया। जिनमें हरि लूइटल, समीन सेन डेका, योगेश दुबे विभु, मेघा दास, अभिजीत गोतानी के अलावा बराक हिन्दी साहित्य समिति के श्री मूलचंद बैद, श्री दुर्गेश कुर्मी, श्री प्रदीप कुमार कुर्मी, श्री बाबुल नारायण कानू, सन्तोष कुमार चतुर्वेदी शामिल थे।

बाबा भयहरण नाथ धाम में मलमास मेला में 9 से 16 जून तक होगा श्रीमद भागवत कथा

–भागवत भूषण विजय कांत जी महाराज के मुखार बिंदु से होगी दिव्य कथा

–क्षेत्रीय भ्रमण कर संपर्क अभियान की हुई शुरुवात

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में अधिक मास (मलमास मेला) में परम्परागत रूप में 9 जून से 16 जून तक दिव्य भागवत कथा का सामूहिक आयोजन होगा. भागवत भूषण विजय कांत तिवारी जी महाराज के मुखार बिंदु से यह कथा आयोजित होगी. कथा के मुख्य संयोजन व संचालन की जिम्मेदारी अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह को सामूहिक रूप से दी गई है। भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव

सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर की विशेष उपस्थित में क्षेत्रीय भ्रमण करके कथा में सहभागिता व भागीदारी हेतु संपर्क अभियान की शुरुवात धानीपुर, कल्याण पुर, सराय भूपति गौरा आदि ग्रामो से हुई. अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल ने बताया कि 1997 में श्री चंद्र शेखर प्राण जी के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय समाज ने धाम का पुनर्जागरण शुरू किया था. प्रारंभ में कई सामूहिक यज्ञ हुए. तभी यज्ञ समूह में प्रमुख भूमिका निभाने वाले श्री विजय कांत जी महाराज आज जनपद सहित आस पास के कई जनपदों में भागवत भूषण काफी लोकप्रिय व प्रसिद्ध है. क्षेत्रीय समाज की अपेक्षा पर महाराज जी की कथा मलमास मेले में परम्परागत तरीके से 9 से 16 जून तक शाम 3 बजे से 6 बजे तक होगी।

महासचिव समाज शेखर ने कहा है कि नगर पंचायत, प्रबन्ध समिति व पुलिस विभाग तथा संबंधित विभागों के सहयोग व भागीदारी से मलमास मेला संचालित होगा. प्रबन्ध समिति ने मेला प्रबन्धन से संबंधित सूचना व संपर्क हेतु कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र मो. 9651596161 व भागवत से संबंधित सहयोग व भागीदारी हेतु अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल मो.7007976231 जन सामान्य के सहयोग व सहभागिता हेतु सार्वजनिक करते हुए नियमानुसार सभी आवश्यक कार्य संपादित किया जाना तय हुआ।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र, संगठन सचिव राज किशोर मिश्र, विधि परामर्शी रमा शंकर मिश्र, सह कोषाध्यक्ष कमलेश वैश्य, मन्दिर सचिव सच्चिदानंद पांडेय, मेला उप संयोजक बुद्धि प्रकाश द्विवेदी, हौसला पांडेय, मनोज यादव, पूर्व कार्यालय प्रभारी कमलेश मिश्र, राकेश पटेल, राम चंद्र गौतम आदि शामिल रहे।

यूपी में बदलेगा मौसम का मिजाज, मौसम विभाग का अनुमान, गरज चमक के साथ कई जिलों में होगा वज्रपात

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में अगले तीन दिनों के दौरान मौसम में बदलाव के आसार हैं। मौसम विभाग ने पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में गरज–चमक, वज्रपात तथा तेज झोंकेदार हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई है। कुछ क्षेत्रों में हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तथा झोंकों के साथ 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ द्वारा सोमवार को जारी प्रभाव आधारित पूर्वानुमान एवं चेतावनी के अनुसार 11 मई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई स्थानों पर बारिश और गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस भव्यता एवं हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया

डॉ. सबिता अग्रवाल के द्वारा प्रसव कराई गई ''सृजन मॉम्स'' को सम्मानित किया गया

प्रयागराज। संपूर्ण विश्व में दिन रविवार को अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संपूर्ण विश्व में सामाजिक संगठनों एवं राष्ट्र के द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए गये।

इसी कड़ी में जनपद में अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस के अवसर पर 10 मई 2026 को सृजन हॉस्पिटल एवं फर्टिलिटी सेंटर द्वारा जेवनार रेस्टोरेंट में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. सबिता अग्रवाल, डॉ. मेहा अग्रवाल एवं डॉ. दीपाली श्रीवास्तव द्वारा प्रसव कराई गई "सृजन मॉम्स" को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 500 सृजन मॉम्स अपने बच्चों के साथ शामिल हुईं, जिससे पूरा वातावरण खुशियों, भावनाओं और उत्साह से भर गया।

कार्यक्रम की सबसे भावुक झलक उस समय देखने को मिला जब लोकनाथ नर्सिंग होम में डॉ० सबिता अग्रवाल द्वारा जन्मी पहली बच्ची अपनी माँ और अपनी बेटी के साथ समारोह में पहुंची। विशेष बात यह रही कि उनकी बेटी का जन्म भी सृजन हॉस्पिटल में डॉ० सबिता अग्रवाल द्वारा ही कराया गया था। यह तीन पीढ़ियों का अद्भुत संगम सभी के लिए

बेहद भावुक और यादगार पल बन गया।

एक अन्य विशेष आकर्षण सृजन हॉस्पिटल में जन्मे ट्रिपलेट बच्चों की माँ रहीं, जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और खास बना दिया।

कार्यक्रम का सफल संचालन सुश्री तान्या निरखी ने किया, जिनका स्वयं का जन्म भी 28 वर्ष पूर्व लोकनाथ नर्सिंग होम में डॉ. सबिता अग्रवाल द्वारा कराया गया था। वहीं तान्या निकरी की माता श्रीमती मनीषा निरखी ने अपनी सुरीली आवाज़ में "तू कितनी अच्छी है३" गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को भावुकता और स्नेह से भर दिया।कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. बी.बी. अग्रवाल, डॉ. अभिजीत मोहिते, कनिका अग्रवाल, मुदित अग्रवाल एवं कृष्णा अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। सृजन परिवार द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम मातृत्व, विश्वास और पीढ़ियों से जुड़े भावनात्मक रिश्तों का एक सुंदर उत्सव बन गया।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व विषयक संगोष्ठी और प्रतियोगिता सम्पन्न

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा दिनांक 11 मई 2026 को विश्वविद्यालय परिसर स्थित ळ–6 अकादमिक भवन, ब्लॉक–। में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व विषयक व्याख्यान संगोष्ठी एवं विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं वैदिक मंगलाचरण के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के सम्माननीय कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री सरजीत सिंह डंग उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भगवान सिंह पी जी कॉलेज मिर्जापुर के प्राचार्य डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह संजय तथा सारस्वत अतिथि के रूप में भारतीय संग्रहालय संघ के अध्यक्ष डॉ. आनन्द वर्धन ने सहभागिता की। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण प्रो. आशुतोष कुमार सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया, जबकि अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने विषय प्रवर्तन करते हुए सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान से जुड़े विभिन्न पक्षों पर विस्तृत प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता श्री सरजीत सिंह डंग ने अपने उद्बोधन में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण को भारतीय अस्मिता एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि राष्ट्र की आस्था, गौरव और आत्मसम्मान का प्रतीक है। विशिष्ट वक्ता डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह संजय ने भारतीय इतिहास

और सांस्कृतिक चेतना में सोमनाथ की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। वहीं डॉ. आनन्द वर्धन ने भारतीय पुरातत्व, संग्रहालय परम्परा तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। व्याख्यान संगोष्ठी के साथ साथ विद्यार्थियों के मध्य विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिनमें चित्रकला, रंगोली, भाषण, काव्यपाठ एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता प्रमुख रहीं। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने सोमनाथ स्वाभिमान विषय को भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभक्ति एवं सांस्कृतिक गौरव के विविध आयामों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सोमनाथ मंदिर की स्थापत्य कला तथा भारतीय सांस्कृतिक विरासत को आकर्षक रूप में उकेरा, जबकि भाषण एवं काव्यपाठ प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने राष्ट्रस्वाभिमान एवं सांस्कृतिक चेतना से ओत प्रोत विचार प्रस्तुत किये। अतिथि कवयित्री श्रीमती नीलम तिवारी ने भी सन्दर्भित काव्यपाठ कर लोगों को आह्लादित किया। विभिन्न प्रतिभागियों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्तकर्ता को पुरस्कृत किया गया। सांत्वना पुरस्कार के साथ सभी को प्रमाणपत्र प्रदानकर प्रोत्साहित किया गया। माननीय कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों को निरंतर आयोजित किए जाने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रिया झा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग की अतिथि प्रवक्ता डॉ. पूजा सिंह ने किया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी एवं डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी रहे। इस अवसर पर डॉ. अलका मिश्रा, डॉ. प्रशान्त सिंह, डॉ. प्रियंका सक्सेना, डॉ. अजीत सिंह, डॉ श्वेता श्रीवास्तव, डॉ. कविता गौतम, डॉ. सोनम राय, डॉ. स्वास्तिका सिंह, डॉ. सौरभ द्विवेदी, डॉ. बब्लू यादव, डॉ. रेनू त्रिपाठी इत्यादि शिक्षकगण सहित शोधार्थी, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

विश्व मातृदिवस पर डॉ पूर्णिमा पाण्डेय पूर्णा को मिला साहित्य रत्न सम्मान

साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा साहित्यकार सत्कारः आपके द्वार योजना में हुआ अभिनंदन

प्रयागराज। मौलिक विचार एवं साहित्यिक सर्जना की प्रतिनिधि पत्रिका साहित्यांजलि प्रभा द्वारा प्रवर्तित लोकप्रिय प्रकाशन संस्थान साहित्यांजलि प्रकाशन की ओर से प्रत्येक माह में दिया जाने वाला साहित्य रत्न सम्मान इस माह प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ पूर्णिमा पाण्डेय पूर्णा को दिया गया। प्रीतम नगर स्थित डॉ पूर्णिमा पाण्डेय पूर्णा के आवास पर वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती विजयलक्ष्मी विभा की अध्यक्षता एवं ख्यातिलब्ध साहित्यकार डॉ उषा मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया ।अतिविशिष्ट अतिथि सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ जया मोहन एवं अतिथि साहित्यकार रचना सक्सेना मंच पर विराजमान रहीं ।स्वागत वंदना डॉ योगेंद्र कुमार मिश्र विश्वबंधु तथा डॉ राम लखन चौरसिया वागीश द्वारा किया गया। पंडित राकेश मालवीय मुस्कान ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। डॉ राम सुख यादव , शम्भूनाथ श्रीवास्तव शंभु , रंजन पाण्डेय , श्याम फतनपुरी, राकेश कुमार पाण्डेय , अश्विन पाण्डेय ,सुधीर कुमार तिवारी , जयश्री शुक्ला , पूनम पांडेय एवं अन्य कई वरिष्ठ रचनाकारों की गरिमा पूर्ण उपस्थिति में डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय के संचालन में डॉ पूर्णिमा पाण्डेय पूर्णा जी को साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा साहित्य रत्न सम्मान पत्र , प्रतीक चिन्ह , अंगवस्त्र , मोतीमाल व साहित्य प्रदान किया गया। इस अवसर पर मंच संचालक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय को भी शाल ओढ़ाकर राकेश कुमार पाण्डेय ने सम्मानित किया। उपस्थित कवियों ने मातृदिवस पर अपनी रचनाएं प्रस्तुत किया। सम्मानित साहित्यकार डॉ पूर्णिमा पाण्डेय पूर्णा ने कहा कि यह क्षण मेरे लिए अत्यंत गौरव पूर्ण है। सभी मंचासीन अतिथियों ने पूर्णिमा पाण्डेय जी को अपनी शुभकामनाएं दीं।

मिट्टी का हर रूप

सौ प्रतिशत है सत्य नहीं इसको झुठलाना।
अपने में हो मस्त न गाओ अपना गाना।
सुनी प्रकृति की बात हुई गुम सिट्टी–पिट्टी।
मिट्टी को मत छेड़ बना देगी यह मिट्टी।
कुछ पल घबराया मगर मानव फिर निर्भीक हो।
क्षति पहुँचाने है लगा यंत्रों के नजदीक हो।।

मिट्टी का हर रूप ईश की बातें करती।
हरियाली के साथ नीर को लेकर चलती।
मंदिर से शमशान सभी कुछ इसके अंदर।
करते इसे प्रणाम चन्द्र–सूरज अरु अंबर।
एक तरफ ज्वालामुखी खनिज लवण की खान है।
दूजे सरिता बह रही जीवन की मुस्कान है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

दार्शनिक बाल विकास ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर संपन्न

पिठापुरम। श्री विश्वविज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के नौंवें पीठाधिपति सद्गुरु डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि सेल फोन का इस्तेमाल बच्चे केवल जरूरी होने पर ही करें और वे मैदानी खेलों व अध्ययन पर अधिक ध्यान दें।

श्री विश्वविज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के पिठापुरम स्थित मुख्य आश्रम में 2 से 9 मई तक 8 दिनों तक आयोजित तात्विक बाल ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह शनिवार

9 मई के मध्यान्ह 12 बजे बड़ी भव्यता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सद्गुरु डॉ. उमर अली शाह ने सभी को आठ दिनों तक पवित्र आश्रम परिसर में रहकर घर जाने के बाद भी फोन स्क्रीन से दूर गुरुकुल शैली में आयोजित इस शिविर में सीखी गई बातों को याद रखने और जीवन भर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी से रोपे गए तीन पौधों को संरक्षित करने का आह्वान किया।

तात्विक बालविकास सामूहिक प्रार्थना के साथ शुरू हुई। इस बैठक में प्रशिक्षण आयोजक श्री एवीवी सत्यनारायण ने 8 दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर की रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री अहमद अली शाह ने कहा कि यह पीठ एक विशाल वृक्ष की तरह है और बच्चे उस पेड़ पर आसीन सभी बालविकास के बच्चे कोयल की तरह हैं । दूसरे मुख्य अतिथि उमर अलीशा पब्लिक स्कूल के संवाददाता डॉ. हुसैन शाह ने कहा कि बालविकास शिविर आज के समय में बहुत जरूरी है और शिविर में सिखाई गई बातें बच्चों के जीवन में नई रोशनी भर देंगी। विशिष्ट अतिथि आंध्रा बैंक, काकीनाडा के सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक श्री मंचेम सुब्रमण्येश्वर राव ने कहा कि तात्विक बालिकास बच्चों में बहुमुखी विकास लाता है। इस अवसर पर बालविकास के पांच बच्चों ने अपनी प्रतिक्रिया दी तथा आठ दिनों तक विभिन्न विषयों को पढ़ाने वाले सभी प्रशिक्षकों को सम्मानित करते हुए सद्गुरु डॉ. उमर अली शाह ने इस प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र सौंपे। तात्विक बालविकास के पूर्व छात्र, अवधानी यर्रमशेट्टी उमामहेश्वर राव ने बैठक की अध्यक्षता की और श्रीमती शंकु पार्वती देवी को वंदना प्रस्तुत की। इस समापन समारोह में बड़ी संख्या में बच्चों, अभिभावकों, अतिथियों एवं परिषद सदस्यों ने भाग लिया।

प्रयागराज नगर निगम को HDFC बैंक द्वारा CSR के अंतर्गत ट्रॉमेल एवं बैलिस्टिक सेपरेटर मशीन भेंट

प्रयागराज। स्वच्छ एवं आधुनिक प्रयागराज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए HDFC ठंदा प्रयागराज द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (ब्ै) गतिविधि के अंतर्गत प्रयागराज नगर निगम को ट्रॉमेल मशीन एवं बैलिस्टिक सेपरेटर मशीन प्रदान की गई। इन अत्याधुनिक मशीनों का उद्देश्य नगर निगम की ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

प्रणाली को अधिक प्रभावी, व्यवस्थित एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाना है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नगर आयुक्त श्री सीलम साई तेजा, अपर नगर आयुक्त श्री दीपेन्द्र यादव, सहायक नगर आयुक्त सुश्री दीपशिखा पांडेय, ब्ळ नगर निगम श्री राजकुमार शर्मा सहित नगर निगम के समस्त जोनल अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सं0 - GSU-ST-ETW-4-2026
ई-निविदा सूचना
डिप्टी सीएसटीई गति शक्ति यूनिट (सिग्नल और टेलीकम्युनिकेशन) के द्वारा, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित फॉर्म पर खुली ई-निविदा, वर्णित खुलने की तिथि को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण इस प्रकार है :-

निविदा संख्या : 4	काम की अनुमानित लागत : 90002626.54
कार्य का विवरण :	
अग्रिम राशि : 1800100.0	निविदा प्रपत्र की लागत : 0.00
समापन अवधि : 12 Months	निविदा खुलने की तिथि : 01.06.2026

निविदा प्रपत्र की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
निविदा की वैधता : निविदा खुलने की तारीख से 60 दिन।
1046/26 (AS)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in CPRONCR

सम्पादकीय.......

मां की ममता का मार्मिक जादू

10 मई, मदर्स डे। मां को समर्पित एक ही दिन क्यों, हमारे जीवन का हर पल मां की देन है। सभ्यता की शुरुआत से ही मां को हर संस्कृति में पूजा गया। चाहे दुर्गा के रूप में, सरस्वती के रूप में, या धरती माता के रूप में। यहां तो हम अपने देश को भी भारत माता पुकार गौरवान्वित होते हैं। हम दुनिया के शायद ऐसे पहले लोग हैं, जो अपने देश को ही नहीं, बल्कि अपनी बोली से लेकर नदियों, पौधों और गऊ को भी गौ माता कहते हैं। मां सिर्फ जन्म देने वाली हीं नहीं, बल्कि जो पोषण दे, रक्षा करे, ज्ञान दे, समृद्धि दे, उसे भी मां का दर्जा हासिल है। वह हाथ जो माथे पर रखा जाता रू मुझे जब अपनी मां की यादें आती हैं कि कैसे वह घर में सबसे देर में सोती थी और सबसे पहले जगती थी, घड़ी के अलार्म से नहीं, बल्कि इसलिए कि उनके अंदर परिवार का फिक्र था जो उन्हें चौन से नहीं बैठने देता। किस तरह वह बच्चों के कुछ कहने से पहले ही उनके माथे पर हाथ रखकर बुखार टटोल लेती थी। किस तरह परिवार के प्रति उनकी चिंता कभी शोर नहीं करती थी, बस एक धीमी लौ की तरह हमेशा जलती रहती थी, जिसे उन्होंने कभी बुझने नहीं दिया। मैं अब समझती हूं, यही असली जादू है मां का। ये मांएं कुछ अलग हैं रू इस मदर्स डे पर मैं कुछ खास मांओं का जिक्र करना चाहती हूं, जिनके प्रति प्यार किसी ग्रीटिंग कार्ड के जरिए जाहिर नहीं किया जा सकता, ये नारी शक्ति की असल मूर्त हैं, जिन्हें दुनिया ने शायद ही इतने करीब से देखा होगा। कुछ हफ्ते पहले मैं होशियारपुर में 'ऑटिज्म' पीड़ित यानी एक तरह की न्यूरोडिवैल्पमैंटल स्थिति, जो संवाद, सामाजिक व्यवहार और संवेदनाओं को प्रभावित करती है, ऐसे बच्चों के एक स्कूल में गई। मुझे लगा था कि बच्चे भावुक कर देंगे। उन्होंने मुझे किया भी। लेकिन जो बात मेरे मन में घर कर गई, वह मैं अभी तक भूल नहीं पाई, वह थी स्कूल के बाहर इन बच्चों के इंतजार में बैठी मांएं। एक मां सुबह 7 बजे से वहां बैठी थी। उसने बेटे का नाश्ता एक खास टिफिन में रखा, नीला नहीं, बल्कि हरे रंग का, क्योंकि नीला रंग बच्चे को बेचौन कर देता था। सुबह घर से निकलने से पहले बच्चे के साथ स्कूल की दिनचर्या की प्रक्रिया 7 से 8 बार तक दोहराई जाती है। उस मां ने मुझे यह सब शिकायत नहीं की, बल्कि शांत, सहज गर्व से बताया जैसे किसी ने बस अलग तरह से अपने बच्चे से प्यार करना सीख लिया हो। एक और मां ने मुझे बताया कि उसने प्रोजेक्ट मैनेजमैंट का करियर छोड़ा, जिसके लिए उसने जी–तोड़ मेहनत की थी। नौकरी इसलिए छोड़ी कि बेटी को एक ऐसी पूरी–वक्त मौजूदगी चाहिए थी, जो नौकरी के किसी शैड्यूल में फिट नहीं होती। 'उसे मेरी जरूरत थी कि मैं ही उसका शैड्यूल बन जाऊं', उस मां ने बस इतना कहा और जमीन की तरफ देख कर मुस्कुराई। मां जिसने नामुमकिन को मुमकिन किया रू एक मां की कहानी मुझे याद है, जिसके दिव्यांग बेटे को कई डाक्टरों ने पढने–लिखने में लाचार बताया। दिल पर पत्थर रख कर मां ने डाक्टरों की बातें सुनीं, उन्हें सहा। बच्चे को लेकर जताई गई लाचारी को मानने से इंकार करते हुए वह मां ही अपने बच्चे की थैरेपिस्ट बनी, उसकी टीचर बनी, उसकी जुबान बनी और आखिर में उसकी सुरीली आवाज बनी। आज वह नौजवान अपनी गायन कला के हुनर से सुरों के रस घोलता है, जिसके बोलों से लोगों की आंखें भर आती हैं। विशेष जरूरतों वाले बच्चों की मांओं को रू 'आपका धैर्य साधारण नहीं है। यह असाधारण है। आप सिर्फ एक बच्चे को नहीं पाल रहीं, आप चुपचाप दुनिया की उस समझ को बड़ा कर रही हैं, जो प्यार को उसके हर रूप में पहचाने। यह सिर्फ मां का प्यार नहीं, यह एक मां का जनूनी, जिद्दी और दिल थाम देने वाला ईमान है'। मदर्स डे पर हमारा जश्न मां की दुआओं के बगैर अधूरा है। मां अगर दूर हैं तो फोन करो। वह बात कहो जो कभी कह नहीं पाते। साथ हैं तो कुछ पल उनके पास बैठो। पूछो कैसी हैं और फिर उनके पास इतना रुको कि सच में उनके दिल की बात सुन सको। उनके चेहरे की झुर्रियां व हाथों की गहरी लकीरें देखो और समझो कि वे क्या बयां करती हैं। सोचो उन हजारों अनदेखे कामों के बारे में, जो बगैर थके उन्होंने आप के बचपन से लेकर जवानी तक आपके लिए किए। आप पाएंगे कि कहीं आज भी आपके जीवन में मां के खामोश जादू का असर है। मां तुझे सलाम।

तीन राज्यों में उथल-पुथल और बदलाव

पी. चिदम्बरम

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों ने 3 राज्यों–केरलम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एक नाटकीय बदलाव ला दिया है। असम और पुड्डुचेरी ने यथास्थिति के लिए वोट दिया है। चुनावों पर एक ही कहानी लिखना संभव नहीं है। हर राज्य ने एक अलग कहानी पेश की है। केरलम एक सीधी कहानी है। यू.डी.एफ. और एल.डी.एफ. दशकों से राज्य में बारी–बारी से शासन कर रहे हैं। यह सिलसिला 2021 में तब टूटा, जब पिनाराई विजयन के नेतृत्व में एल.डी.एफ. को दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया। कांग्रेस ने एक नया नेतृत्व (पी.सी.सी. और सी.एल.पी.) स्थापित किया और पार्टी ने पिछले 5 वर्षों में एक सच्चे विपक्ष के रूप में नए जोश के साथ काम किया है। इसका प्रतिफल दिखाई दे रहा है। यू.डी.एफ. का दायित्व है कि वह शासन करे और ऐसे परिणाम दे जिससे यू.डी.एफ. के सहयोगी

एकजुट रहें और धर्मनिरपेक्षता, आर्थिक प्रगति और समृद्धि तथा संघवाद को आगे बढ़ाया जा सके। तमिलनाडु की कहानी जटिल है। कांग्रेस और अन्य धर्मनिरपेक्ष दलों के समर्थन से द्रमुक 2021 में एक ठोस बहुमत के साथ चुनी गई थी। इसने निरूसंदेह 2 मोर्चों पर परिणाम दिए, आर्थिक विकास और कल्याणकारी उपाय। जाहिर है, मतदाता के मन में अन्य कारक थे। एक अज्ञात कारक था जोसेफ विजय का प्रवेश, जो एक फिल्म हीरो हैं और जिनके प्रशंसकों का एक बड़ा समूह है, खासकर युवाओं और महिलाओं के बीच। चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद से एक हवा चलनी शुरू हुई। इसने गति पकड़ी और मतदान की तारीख से पहले अंतिम 10 दिनों में एक तूफान में बदल गई, 108 निर्वाचन क्षेत्रों में फैल गई लेकिन उससे आगे नहीं गई। दो साल पुरानी एक राजनीतिक पार्टी के लिए यह एक शानदार शुरुआत थी। अधिकांश उम्मीदवार अज्ञात नाम और चेहरे थे और कुछ ने ही प्रचार किया। उम्मीदवार हर जगह 'विजय' थे। विजय के कुछ छोटे भाषण, वीडियो मीम्स और कई फिल्मी गाने ही 'प्रचार' थे। टी.वी.के. को साधारण बहुमत से 11 सीटें कम मिलीं, लेकिन राष्ट्रपति शासन को टालने और एक और चुनाव से बचने के लिए, कांग्रेस (5), भाकपा (2), माकपा (2) और वी.सी.के. (2) ने समर्थन देने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल वह वास्तविक कहानी है, जिसमें देश की दिशा बदलने की क्षमता है। पश्चिम बंगाल में धर्मनिरपेक्ष दल–कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और माकपा ने पिछले 10 वर्षों में मजबूत हुई भाजपा के खिलाफ अलग–अलग चुनाव लड़ा। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में एस.आई.आर. ने बड़ी संख्या में मतदाताओं को मिटा दिया और लोकतंत्र पर एक गहरा घाव छोड़ दिया। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां बेटा–बेटी एक मतदाता था लेकिन पिता–माता नहीं थे। परिवारों को मतदाताओं और गैर–मतदाताओं में विभाजित किया गया था। न्यायपालिका और अस्थायी न्यायिक उपायों ने लाखों मतदाताओं को निराश किया और हजारों लोगों को मताधिकार से वंचित कर दिया गया। एस.आई.आर. के अलावा, 3 कार्यकालों का बोझ तृणमूल कांग्रेस के गले में एक बड़ा पत्थर था। तृणमूल कांग्रेस की हार गंभीर घटनाक्रमों का संकेत देती है–भाजपा एकमात्र पार्टी है या गठबंधन सरकारों में पश्चिम (महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा), हिंदी पट्टी के अधिकांश हिस्सों (हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को छोड़कर), पूर्व और उत्तर पूर्व में शासन कर रही है। प्रतीकात्मक रूप से, विंध्य पर्वतमाला भाजपा के 5 दक्षिणी राज्यों में प्रवेश के लिए एक बाधा है। केरलम और तमिलनाडु में प्रवेश के उसके अथक प्रयासों को मतदाताओं ने दृढ़ता से नकार दिया (भाजपा को क्रमशः 3 और 1 सीट मिली)। हालांकि, बाकी भारत पर उसका नियंत्रण लगभग पूरा हो चुका है।2024 के लोकसभा चुनाव में केवल 240 सीटें जीतने के बावजूद, भाजपा ने संसद में निम्नलिखित विवादास्पद विधेयक पारित किए हैं।–वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025,–जम्मू–कश्मीर स्थानीय निकाय (संशोधन) अधिनियम, 2025,–कराधान कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 और

–राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025। अन्य विवादास्पद विधेयक आने वाले हैं, जिनमें अलोकतांत्रिक 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विधेयक भी शामिल है। संख्या बल की कमी के बावजूद, भाजपा ने महिलाओं के आरक्षण के लिए एक विधेयक को निरस्त करने और फिर से अधिनियमित करने के लिए विवादास्पद संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पेश किया, जिसे सितम्बर 2023 में पारित किया गया था। नए विधेयक का वास्तविक उद्देश्य परिसीमन को आगे बढ़ाना और प्रत्येक राज्य में लोकसभा सीटों की संख्या को बदलना था। यह विधेयक इंडिया ब्लॉक द्वारा हरा दिया गया था। यदि भाजपा अपनी जीत का सिलसिला जारी रखती है, तो सरकार संसदीय प्रणाली के आवरण में एक सत्तावादी राज्य का मार्ग प्रशस्त करने के लिए संविधान में संशोधन करने का प्रयास करेगी। भाजपा का अगला लक्ष्य एक एकात्मक संविधान (संघवाद को दफनाना), एक प्रमुख विचारधारा के रूप में हिंदुत्व (धर्मनिरपेक्षता को दफनाना), आर्थिक मॉडल के रूप में पूंजीवाद (कल्याणकारी राज्य को दफनाना) और अंततरू एक–दलीय राज्य (लोकतंत्र को दफनाना) होगा। विपक्षी दलों को मजबूती से पीछे धकेलना होगा। भाजपा रूढिवादी ध्रुव होगी। भारत को एक लोकतांत्रिक, संघीय और धर्मनिरपेक्ष देश बने रहने के लिए अन्य राजनीतिक विकल्प और विकल्प संरक्षित किए जाने चाहिएं। इंडिया ब्लॉक ने 2024 में आंशिक सफलता हासिल की लेकिन उस गति को आगे बढ़ाने में विफल रहा। ब्लॉक संघर्ष करता और लडखड़ाता हुआ प्रतीत होता है लेकिन भाजपा को चुनौती देने का यही एकमात्र साधन है। चुनाव के बाद, ममता बनर्जी (तृणमूल कांग्रेस) ने इंडिया ब्लॉक को मजबूत करने का वादा किया है। एम.के. स्टालिन (द्रमुक) ने ब्लॉक के खिलाफ एक भी शब्द नहीं कहा। उनके पिछले बयानों ('भाजपा मेरी वैचारिक दुश्मन है') से, विजय (टी.वी.के.) को ब्लॉक में खींचना संभव हो सकता है। यह सच है कि ब्लॉक के घटकों के बीच मौलिक मतभेद हैं लेकिन इन मतभेदों को राज्य–स्तर तक सीमित रखा जाना और राष्ट्रीय–स्तर पर एकता कायम की जानी चाहिए। इसके लिए तत्परता, संवाद और दृढ़ता की भावना की आवश्यकता होगी।

क्षेत्रीय दलों पर भारी पड़ रही भाजपा

भाजपा उस राजनीतिक विमर्श को भी ध्वस्त कर रही है कि उसे चुनौती देने का जो काम देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस नहीं कर पा रही, वह क्षेत्रीय दल बखूबी कर रहे हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को अकेले दम बहुमत और कांग्रेस के 44 सीटों पर सिमट जाने से वह विमर्श शुरू हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव परिणामों ने भी उसे बल प्रदान किया लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से वह कमजोर पडने लगा है। बेशक 2024 में भाजपा को मात्र 240 सीटों पर रोक देने में क्षेत्रीय दलों की बड़ी भूमिका रही। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, तमिलनाडु में द्रमुक और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने उसमें अहम भूमिका निभाई। बेशक कांग्रेस की सीटें भी 52 से बढ़ कर 99 हो गईं लेकिन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह क्षेत्रीय दलों के सहारे 'परजीवी' है। बात गलत भी नहीं थी, इन राज्यों में कांग्रेस क्षेत्रीय दलों से गठबंधन के सहारे ही चुनाव लडने को मजबूर है।

बेशक हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में कांग्रेस की सरकारें हैं, पर पहले दोनों राज्य लोकसभा सीटों की संख्या के लिहाज से ज्यादा प्रभावी नहीं हैं। शायद इसीलिए 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से भाजपा के निशाने पर क्षेत्रीय दल और उनकी सरकारें ज्यादा नजर आती हैं। कांग्रेस के अघोषित नेतृत्व वाला विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन स्वाभाविक ही भाजपा के 240 सीटों पर सिमट जाने को अपनी सफलता मान रहा था लेकिन उसके बाद से उसके हिस्से हार के झटके ही ज्यादा आए हैं। सिर्फ झारखंड और जम्मू–कश्मीर ही अपवाद रहे, जहां कांग्रेस की उपस्थिति का सत्ता राजनीति में ज्यादा अर्थ नहीं है। जम्मू–कश्मीर में नैशनल कान्फ्रैंस का ही दबदबा है तो झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा का और विधानसभा चुनाव के बाद दोनों की ही कांग्रेस से दूरियां बढ़ती दिख रही हैं। 48 लोकसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन 30 सीटें जीत गया। कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 13 सीटें जीतीं तो उद्धव की शिवसेना ने 9, जबकि शरद पवार की राकांपा ने 8। तमिलनाडु में भी इंडिया गठबंधन 39 में 35 सीटें जीतने में सफल रहा। पश्चिम बंगाल में भी तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा को 12 सीटों पर समेटते हुए 42 में से 29 लोकसभा सीटें जीत लीं। अलग लड़ी कांग्रेस भी एक सीट जीत गई। 20 सीटों वाले केरलम् में भी कांग्रेस नीत यू.डी.एफ. 18 सीटें जीत गया, जबकि तत्कालीन सत्तारूढ़ एल.डी.एफ. के हिस्से 1 ही सीट आई। भाजपा भी पहली बार अपना खाता खोलने में सफल रही। बेशक यू.डी.एफ. की 18 में से 14 सीटें कांग्रेस की रहीं लेकिन केरलम् में गठबंधन राजनीति एक अनिवार्यता रही है। इसलिए कांग्रेस की सीटें बढ़ कर 99 हो जाने के बावजूद भाजपा के तेज रफ्तार विस्तार पर नियंत्रण में क्षेत्रीय दलों की अहम् भूमिका है। बेशक चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी, नीतीश कुमार के जनता दल यूनाइटेड, जयंत चौधरी का राष्ट्रीय लोकदल, एकनाथ शिंदे की शिवसेना, स्वर्गीय अजित पवार की राकांपा के अलावा तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक, भाजपानीत राजग में शामिल हैं लेकिन नवीन पटनायक का बीजू जनता दल, हेमंत सोरेन का झामुमो, लालू–तेजस्वी का राजद, अखिलेश यादव की सपा, एम.के. स्टालिन का द्रमुक, उमर अब्दुल्ला की नैशनल कान्फ्रैंस, अरविंद केजरीवाल की 'आप' और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस समेत तमाम बड़े क्षेत्रीय दल उससे दूरी बनाए हुए हैं। संयोग कहें या प्रयोग, 2024 से ही इन दलों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पटनायक के बीजद की दशकों पुरानी सत्ता ओडिशा में तो भाजपा ने लोकसभा चुनाव के साथ हुए विधानसभा चुनाव में ही उखाड़ फैंकी थी, महाराष्ट्र में चंद महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में पासा पलट दिया, जब विपक्ष हाशिए पर चला गया। भारतीय राजनीति में धूमकेतु की तरह चमके केजरीवाल की 'आप' से भी भाजपा ने पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में सत्ता छीन ली। पिछले साल के अंत में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में ही ऐसे ही एकतरफा परिणाम आए, जिनके लिए विपक्ष सीधे–सीधे चुनाव आयोग की भूमिका पर सवालिया निशान लगा रहा है। अरसे से ई.वी.एम. पर संदेह जताता रहा विपक्ष अब एस.आई.आर. प्रक्रिया में बड़ी संख्या में नाम काटे जाने को भाजपा की अप्रत्यक्ष चुनावी मदद करार दे रहा है। बेशक चुनाव आयोग की भूमिका से जुड़े विवाद सर्वोच्च न्यायालय तक गए हैं लेकिन चुनाव परिणाम नहीं बदल रहे। पश्चिम बंगाल को ममता बनर्जी का सत्ता दुर्ग अभेद्य माना जा रहा था। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 200 पार का नारा दे कर 77 सीटों पर थम गई थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा को और बड़ा झटका दिया था। उसके चलते माना जा रहा था कि इस बार भाजपा 100 पार भले चली जाए, पर ममता की सत्ता नहीं डिगेगी लेकिन 2021 के चुनाव परिणाम 2026 में लगभग पलट गए। बेशक तमिलनाडु की परंपरागत द्रविड़ राजनीति के विरुद्ध त्रिशंकु विधानसभा में चमत्कारिक रूप से सबसे बड़े दल के रूप में उभरी अभिनेता जोसेफ विजय चंद्रशेखर की टी.वी.के. भी एक क्षेत्रीय दल ही है लेकिन दशकों पुराने स्थापित क्षेत्रीय दलों–द्रमुक और अन्नाद्रमुक तो सत्ता के खेल से बाहर नजर आ रहे हैं। अब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और पंजाब में 'आप' ही 2 ऐसे क्षेत्रीय दल हैं जिन्हें चुनावी पटखनी देना भाजपा के लिए शेष है। इन दोनों राज्यों में अगले साल ही विधानसभा चुनाव होंगे।

राष्ट्रप्रेम जगा रहे धामी

भारत का प्राचीन गौरव आज भी नमन करने योग्य है। दुर्भाग्य की बात रही कि हमारी आपसी लड़ाई ने गुलामी की बेड़ियां पहना दीं जो लगभग एक हजार साल बाद काटी जा सकीं। अब आजादी के 78 साल बाद भी अगर गुलामी की विरासत मौजूद है तो उसे मिटाने में देर नहीं होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में कई स्थलों का नाम बदला है जो हमें ब्रिटिश दासता की याद दिलाते थे। उत्तराखण्ड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी अपने राज्य में इस प्रकार का बदलाव लाना चाहते हैं। इसी कड़ी में लैंस डाउन का नाम बदलकर जसवंत गढ़ करने का प्रस्ताव लाया गया है। हालांकि परम्परावादी हर बदलाव का विरोध करते हैं और पर्दे के पीछे राजनीतिक सोच भी रहती है। इसलिए लैंसडाउन का नाम बदलने का भी विरोध हो रहा है लेकिन लैंसडाउन का नाम महान सैनिक जसवंत सिंह रावत के नाम पर रखना ही उचित है। जसवंत सिंह रावत ने सन् 1962 के भारत–चीन युद्ध में अदम्य साहस का परिचय दिया था। ध्यान रहे लैंसडाउन का नाम ब्रिटिश काल में वायस राय हेनरी फिट्ज मोरिस के नाम पर रखा गया था। पौड़ी गढ़वाल जिले में स्थित लैंसडाउन ब्रिटिश शासन के दौरान अंग्रेजी फौज की एक छावनी थी। पुष्कर सिंह धामी राज्य की धार्मिक धरोहरों का महिमा मंडन करते हुए विकास और सुशासन का मॉडल भी तैयार कर रहे हैं। यह बात हाल ही में भाजपा के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कही थी। उन्होंने यह भी कहा था कि पुष्कर सिंह धामी ही विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा का चेहरा होंगे।

उत्तराखंड के प्रसिद्ध हिल स्टेशन लैंसडाउन का नाम जसवंतगढ़ किए जाने का प्रस्ताव रखा गया है। स्थानीय निवासी और व्यापारी संगठन इस बदलाव का विरोध कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग शहीद जसवंत सिंह रावत के सम्मान में इसका समर्थन करते हैं। विरोधियों का तर्क है कि इससे लैंसडाउन की दशकों पुरानी पहचान और पर्यटन प्रभावित होगा। जानकारी के अनुसार, 10 अप्रैल को कैंटोनमेंट बोर्ड की बैठक में लैंसडाउन का नाम बदलकर जसवंत सिंह रावत के सम्मान में जसवंतगढ़ रखने का प्रस्ताव पारित किया गया था। जसवंत सिंह रावत ने 1962 के भारत–चीन युद्ध में साहस दिखाते हुए देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था। प्रस्ताव के समर्थकों का कहना है कि देश के वीर सैनिक को श्रद्धांजलि देने के लिए यह कदम बेहद जरूरी है। लैंसडाउन का नाम ब्रिटिश काल में भारत के तत्कालीन वायसराय हेनरी पेटी– फिट्जमौरिस के नाम पर रखा गया था। यह शहर वर्ष 1890 में स्थापित किया गया था और तब से अपनी औपनिवेशिक पहचान, प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए विश्व भर में फेमस हैं। पौड़ी गढ़वाल जिले में स्थित लैंसडाउन को ब्रिटिश शासन के दौरान एक छावनी शहर के रूप में स्थापित किया गया था। अपने चीड़ के जंगलों, पुरानी इमारतों और शांत वातावरण के लिए मशहूर है। हर साल यहां हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। एक हिल स्टेशन के तौर पर इसकी पहचान दशकों में बनी है। नाम बदलने के प्रस्ताव का स्थानीय व्यापारियों और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों ने विरोध किया है। व्यापारिक संगठनों ने बाजार बंद कर प्रदर्शन किया और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को ज्ञापन सौंपकर नाम न बदलने की मांग की। उनका कहना है कि लैंसडाउन की पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है और नाम बदलने से पर्यटन प्रभावित हो सकता है।

विरोध करने वालों का तर्क है कि सरकार को नाम बदलने के बजाय क्षेत्र के विकास, सड़क, स्वास्थ्य और पर्यटन सुविधाओं को बेहतर बनाने पर ध्यान देना चाहिए। वहीं समर्थकों का कहना है कि देश के वीर सैनिकों के सम्मान से बड़ा कोई मुद्दा नहीं हो सकता। इस बीच कुछ स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र लिखकर नाम बदलने का समर्थन भी किया है। 19 अगस्त, 1941 को उत्तराखंड के पौड़ी–गढ़वाल जिले के बादयूं में जसवंत सिंह रावत का जन्म हुआ था। उनके अंदर देशप्रेम इस कदर था कि 17 साल की उम्र में ही सेना में भर्ती होने चले गए लेकिन कम उम्र के चलते उन्हें नहीं लिया गया। हालांकि, 19 अगस्त 1960 को जसवंत को सेना में बतौर राइफल मैन शामिल कर लिया गया। 14 सितंबर, 1961 को उनकी ट्रेनिंग पूरी हुई। इसके एक साल बाद ही यानी 17 नवंबर, 1962 को चीन की सेना ने अरुणाचल प्रदेश पर कब्जा करने के उद्देश्य से हमला कर दिया। इस दौरान सेना की एक बटालियन की एक कंपनी नूरानांग ब्रिज की सेफ्टी के लिए तैनात की गई, जिसमें जसवंत सिंह रावत भी शामिल थे। चीनी सेना हावी होती जा रही थी, इसलिए भारतीय सेना ने गढ़वाल यूनिट की चौथी बटालियन को वापस बुला लिया लेकिन इसमें शामिल जसवंत सिंह, लांस नायक त्रिलोकी सिंह नेगी और गोपाल गुसाई नहीं लौटे।

सीमा वर्णिका की कलम से

इंसानियत

अचानक बस रुक गई शोर–शराबा सुनाई देने लगा ।

क्या हो गया ड्राइवर भैया.. यह शोर कैसा ,ष अंजलि ने घबराकर पूछा ।

ड्राइवर के चेहरे पर चिंता की रेखाएँ साफ़ दिखाई दे रही थीं। सभी यात्री भयभीत हो उठे ।

भैया.. आप गाड़ी रोको नहीं .. मेरे पिताजी बहुत बीमार हैं उन्हें शहर ले जाना बहुत जरूरी है, अंजलि ने याचना भरे स्वर में कहा ।

अरे! आप लोग परेशान न हों अग्निवीर भर्ती वाले लड़के हैं विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं ,ष ड्राइवर ने समझाने की कोशिश की।

अरे! भाई तुम लोग सरकार से जाकर कहो अपनी बात.. हम लोगों को जाने दो.. बहुत जरूरी काम से जा रहे हम सब,ष एक दो यात्रियों ने जाकर समझाने की कोशिश की ।

अरे चुप करो.. हमें न समझाओ.. अब हम किसी की नहीं सुनने वाले, लड़के जोश में चिल्ला रहे थे।

यात्री जल्दी–जल्दी बस के पीछे के दरवाजे से बाहर आने लगे.. अंजली मुश्किल से बीमार पिता को बस से उतार पाई ।

बस धू धू करके जल रही थी.. लोग इधर उधर भाग रहे थे.. दूर–दूर तक कोई साधन भी नहीं था ।

क्या करूँ.. पिताजी की हालत बिगड़ रही है, अंजलि चिंता में इधर उधर देखती हुई सोच रही थी ।

लड़कों को जुनून सवार था वह तोड़फोड़ आगजनी करने में लगे थे ।

तभी एक रिक्शावाला आकर अंजलि के पास रुका।

क्या हुआ बिटिया..बाबू बीमार हैं कहाँ जावे का है हम छोर देवे, रिक्शावाला बोला ।

अंजली की आँखों में आँसू आ गए ।

बिटिया हमार बात मानो तो पास के अस्पताल मा बाबू को दिखायी लो.. बाद में जहाँ जावै का हो चली जाना, यह कहकर रिक्शे वाले ने उन्हें रिक्शे पर बैठा लिया ।

अंजली सोच रही थी.. इन पढ़े–लिखे लड़कों से तो यह अनपढ़ अच्छा.. कम से कम इंसानियत तो नहीं भूला।

–सीमा वर्णिका,
कानपुर

नेटफ्लिक्स की अपकमिंग फिल्म 'मां–बहन' के साथ सेलिब्रेट करें मदर्स डे

> फिल्म को लेकर माधुरी दीक्षित, तृप्ति डिमरी और धारणा दुर्गा की एक वीडियो सामने आई है जहां दोनों बेटियों को अपनी मां के बारे में कुछ बताना है इसके बाद दोनों बेटियों का मजेदार रिएक्शन और जवाब देखने को मिलते हैं।

मदर्स डे के खास मौके पर नेटफ्लिक्स ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'मां–बहन' की पहली झलक शेयर कर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बनी यह फिल्म डार्क कॉमेडी और सस्पेंस से भरपूर फैमिली एंटरटेनर बताई जा रही है। फिल्म का निर्माण अबंडंटिया एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन ने ओपनिंग इमेज फिल्म्स के साथ मिलकर किया है। फिल्म को लेकर माधुरी दीक्षित, तृप्ति डिमरी और धारणा दुर्गा की एक वीडियो सामने आई है जहां दोनों बेटियों को अपनी मां के बारे में कुछ बताना है इसके बाद दोनों बेटियों का मजेदार रिएक्शन और जवाब देखने को मिलते हैं। फिल्म में पहली बार माधुरी दीक्षित, तृप्ति डिमरी और धारणा दुर्गा और रवि किशन एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। इस नई स्टारकास्ट को लेकर फैंस के बीच पहले से ही काफी एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है। फिल्म की कहानी रेखा और उसकी दो बेटियों जया और सुषमा के इर्द–गिर्द घूमती है। मोहल्ले वाले इस परिवार को पहले से ही शक की नजर से देखते हैं, लेकिन हालात तब पूरी तरह बदल जाते हैं जब उनकी रसोई में एक लाश मिलती है। इसके बाद तीनों महिलाएं उस राज को छिपाने के लिए कई अनोखे और मजेदार हालातों में फंस जाती हैं। फिल्म में तृप्ति डिमरी इस बार डार्क कॉमेडी करती नजर आएंगी। 'बड़ी बहन' के किरदार में उनकी कॉमिक टाइमिंग, जिम्मेदार लेकिन शरारती अंदाज और घरेलू बोली दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। उनका यह नया अवतार सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं माधुरी दीक्षित अपने शानदार स्क्रीन प्रेजेंस और दमदार अभिनय से फिल्म में अलग ही रंग भरती नजर आएंगी। फैमिली ड्रामा और कॉमिक सिचुएशन्स के बीच उनका किरदार फिल्म को और ज्यादा दिलचस्प बनाता है। डार्क कॉमेडी, सस्पेंस और मजबूत स्टारकास्ट की वजह से 'मां–बहन' रिलीज से पहले ही चर्चा में आ चुकी है। दर्शक खासतौर पर इस यूनिक कहानी और कलाकारों की नई केमिस्ट्री को देखने के लिए काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।

अदनान सामी का नया अवतार देख चौंके फैंस, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ सिंगर का दमदार लुक

अदनान सामी ने एक बार फिर अपने नए अंदाज से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। सिंगर–म्यूजिशियन का नया अवतार सामने आते ही इंटरनेट पर चर्चा तेज हो गई। फैंस उनके इस ट्रांसफॉर्मेशन को देखकर हैरान रह गए और सोशल मीडिया पर लगातार रिएक्शन दे रहे हैं। अदनान सामी के इस नए लुक में लेयर्ड एक्सेसरीज, डिटेल्ड स्टाइलिंग, ट्रेडिशनल इंस्पायर्ड आउटफिट्स, टैटू और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस देखने को मिल रही है। उनका यह अवतार काफी सिनेमैटिक और बोल्ड नजर आ रहा है। यही वजह है कि फैंस इसे उनका अब तक का सबसे यूनिक और अलग एक्सपेरिमेंट बता रहे हैं। जैसे ही यह तस्वीर इंटरनेट पर सामने आई, फैंस ने सोशल मीडिया पर जमकर रिएक्शन देने शुरू कर दिए। कई यूजर्स ने इस लुक को मकहल, तजपेजपब और तमतिमीपदह बताया। वहीं कुछ लोगों ने इसकी स्टाइलिंग, मूड और संतहमत–जींद–सपमि मेजीमजपब की तारीफ की। फैंस का कहना है कि उन्होंने पहले कभी अदनान सामी को इस तरह के अवतार में नहीं देखा। हालांकि अदनान सामी ने अभी तक इस लुक के पीछे की प्रेरणा या किसी नए प्रोजेक्ट को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है, लेकिन सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। फैंस का मानना है कि यह किसी बड़े क्रिएटिव प्रोजेक्ट या म्यूजिक विजुअल का हिस्सा हो सकता है। अदनान सामी का यह ट्रांसफॉर्मेशन दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा रहा है। उनके नए अवतार ने साफ कर दिया है कि वह लगातार खुद को नए अंदाज में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। अब फैंस को इंतजार है कि इस दमदार लुक के पीछे आखिर कौन–सा बड़ा सरप्राइज छिपा है।

भविष्य, एआई और सफलता पर हॉवर्ड मार्क्स की बड़ी बातें, बोले–सही अनुमान नहीं बल्कि सही सोच बनाती है आगे

> एपिसोड में मार्क्स के एआई को लेकर बदलते दृष्टिकोण पर भी चर्चा होती है। शुरुआती संदेह से लेकर खुद तकनीक को समझने और इस्तेमाल करने के बाद उनकी वास्तविक दिलचस्पी तक का सफर इसमें दिखता है।

इस एपिसोड की सबसे मजबूत बातों में से एक है हॉवर्ड मार्क्स का यह मानना कि लोग भविष्य का अनुमान लगाने की अपनी क्षमता को जरूरत से ज्यादा आंकते हैं और तैयारी की अहमियत को कम समझते हैं। उनका कहना है कि बाजार, अर्थव्यवस्था और यहां तक कि तकनीकी बदलाव भी इतने अनिश्चित होते हैं कि उनका लगातार सही अनुमान लगाना संभव नहीं है। फिर भी अधिकांश लोग इस अनिश्चितता से बचने के लिए झूठा आत्मविश्वास बना लेते हैं। मार्क्स अपने दशकों के अनुभव के आधार पर बताते हैं कि निवेशकों का व्यवहार अक्सर अत्यधिक आशावाद और डर से प्रभावित होता है, जिससे उछाल और गिरावट के चक्र बनते हैं, जो बाद में पीछे मुड़कर देखने पर ही स्पष्ट लगते हैं। बातचीत इस बात को गहराई से समझाती है कि रणनीति, सही तैयारी और भावनात्मक संतुलन, निश्चितता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

एपिसोड के सबसे व्यक्तिगत हिस्सों में से एक में मार्क्स स्वीकार करते हैं कि अपने शुरुआती करियर का बड़ा हिस्सा उन्होंने "बिना स्पष्ट दिशा" के बिताया, जहां उन्होंने परिस्थितियों और अवसरों को खुद को आगे बढ़ाने दिया, बजाय इसके कि वे कोई ठोस दीर्घकालिक योजना बनाते।

वह इसकी तुलना उद्यमिता से करते हैं, जिसे वे "इरादों और स्पष्ट सोच का सर्वोच्च रूप" बताते हैं। बातचीत इस बात को समझाती है कि जीवन में सिर्फ परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया देने और खुद अपनी दिशा तय करने में क्या अंतर है। साथ ही यह भी कि अपना कुछ बनाने की प्रक्रिया व्यक्ति में स्पष्टता, जिम्मेदारी और निर्णायक सोच विकसित करती है, जो पारंपरिक करियर में अक्सर नहीं दिखती। यह चर्चा आगे बढ़कर आत्मनिर्णय, महत्वाकांक्षा और निष्क्रिय जीवन से सचेत नेतृत्व की ओर बढ़ने की यात्रा पर केंद्रित हो जाती है। एपिसोड में मार्क्स के एआई को लेकर बदलते दृष्टिकोण पर भी चर्चा होती है। शुरुआती संदेह से लेकर खुद तकनीक को समझने और इस्तेमाल करने के बाद उनकी वास्तविक दिलचस्पी तक का सफर इसमें दिखता है। हालांकि वे एआई के मौजूदा उभार और उसके प्रभाव को स्वीकार करते हैं, लेकिन वे यह सवाल भी उठाते हैं कि क्या केवल पैटर्न पहचानने पर आधारित सिस्टम वास्तव में पूरी तरह नई और अभूतपूर्व परिस्थितियों को समझ सकते हैं। बातचीत सतही एआई चर्चा से आगे बढ़कर निर्णय क्षमता, रचनात्मकता, अंतर्ज्ञान और इस संभावना पर जाती है कि मशीनों के दौर में असाधारण मानवीय सोच और भी अधिक मूल्यवान हो सकती है। इसमें एआई निवेश, अत्यधिक निर्माण और पिछली तकनीकी उन्माद वाली अवधियों से उसकी समानताओं पर भी बात होती है। मार्क्स सफलता में किस्मत की भूमिका पर भी बेहद खुलकर बात करते हैं चाहे सही समय पर हाई–यील्ड बॉन्ड्स के क्षेत्र में प्रवेश करना हो या ऐसे संरचनात्मक और जनसांख्यिकीय बदलावों का लाभ मिलना, जिन्हें उन्होंने खुद योजनाबद्ध नहीं किया था। वे सफलता को पूरी तरह सुनियोजित उपलब्धि की तरह पेश करने के बजाय सही समय, संयोग और "लाइन में सबसे आगे खड़ा कर दिए जाने" जैसी परिस्थितियों पर चर्चा करते हैं। यह बातचीत उस सोच को चुनौती देती है जिसमें लोग सफल करियर को बाद में पूरी तरह तर्कसंगत बना देते हैं। इसके बजाय यह समझने की कोशिश करती है कि अवसर, माहौल और तैयारी किस तरह मिलकर सफलता बनाते हैं। साथ ही यह भी कि किस्मत को स्वीकार करने के लिए विनम्रता चाहिए, बिना उस मेहनत और अनुशासन को कमतर किए जो अवसरों का लाभ उठाने के लिए जरूरी होता है। एपिसोड का एक और बड़ा विषय है खुद को लगातार नया बनाना और बौद्धिक रूप से सक्रिय बने रहना। 80 वर्ष की उम्र में भी मार्क्स लगातार नए विषय पढ़ते हैं, पहेलियां हल करते हैं, युवा लोगों से जुड़ते हैं और जानबूझकर ऐसे विचारों को अपनाते हैं जो उनकी सोच को चुनौती दें। वे मानसिक रूप से सक्रिय बने रहने को शौक नहीं, बल्कि आवश्यकता मानते हैं। बातचीत में अहंकार, बदलाव के साथ खुद को ढालना, "सेकंड–लेवल थिंकिंग" और तेजी से बदलती दुनिया में पुरानी सफलताओं पर अत्यधिक निर्भर रहने के खतरों पर चर्चा होती है। पीढ़ियों के बीच सीखने, पिता–पुत्र के रिश्तों और एआई को लेकर अपनी सोच बदलने जैसे विषयों के जरिए मार्क्स यह बताते हैं कि प्रासंगिक बने रहना कोई स्थायी उपलब्धि नहीं, बल्कि ऐसी चीज है जिसे लगातार अर्जित करना पड़ता है।

बालिका वधु की आनंदी ने हमेशा के लिए इंडिया को कहा अलविदा, पति के साथ शिफ्ट हुई बैंकॉक

बालिका वधु सीरियल से घर–घर में अपनी पहचान बनाने वाली आनंदी ने हमेशा के लिए इंडिया को अलविदा कह दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार अविका गौर ने यह फैसला अपने पति के लिए लिया है। अपने पीक के करियर के दौरान उन्होंने यह फैसला लिया है, इस वजह से उनके फैंस के मन में बहुत से सवाल हैं की उन्होंने ऐसा क्यों किया ? तो चलिए जानते हैं–बता दें कि आनंदी यानी अविका गौर ने अपने पति संग बैंकॉक में भी घर खरीद लिया है। उन्होंने कहा है कि वो अपने घर को अपने हिसाब से सजाएंगी। इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा है कि चाहे वो बैंकॉक चली गई हैं लेकिन वो अपने काम के सिलसिले में इंडिया आती–जाती रहेंगी। 2025 में अविका के साथ मिलिंद चंदवानी ने सात फेरे लिए थे। एक इंटरव्यू के दौरान अविका गौर ने बताया कि वो पति के साथ बैंकॉक चली गई हैं। ये फैसला हमने इसलिए लिया है क्योंकि हमें ऐसा लगता है कि बैंकॉक में हमे काम करने के बेहतर अवसर मिलेंगे। मुझे हमेशा ऐसा लगेगा जैसे मैं वहां छुट्टी पर हूं, तो क्यों न जाऊं ? मेरे पति ने हमेशा से ही मुझे सपोर्ट किया है, जब भी मुझे किसी काम की लिए 3–4 महीने बाहर जाना पड़ता था, मेरे पति ने हमेशा ही मेरा साथ दिया है। अब मेरा समय है में भी उनका पूरा साथ दूंगी। मुझे ऐसा लगता है कि यदि में उन्हें मना करूंगी तो उनके काम में रूकावट आएगी। इसी के साथ उन्होंने कहा चाहे वो बाहर रहेंगी लेकिन उनके काम पर कोई असर नहीं पड़ेगा। जब भी मुझे कोई काम होगा, मैं इंडिया वापिस जरूर आऊँगी।

दिलजीत दोसांझ का कड़ा रुख, बोले– फैंस के साथ बदतमीजी बर्दाश्त नहीं, चाहे तुम्हारे हाथ में कोई भी झंडा हो

मशहूर पंजाबी गायक और एक्टर दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में फिर तमाशा हुआ है। दरअसल, दिलजीत इन दिनों अपने श्ऑरा टूरश् पर हैं। हाल ही में कैलगेरी में हुए उनके कॉन्सर्ट के दौरान कुछ ऐसी घटनाएं घटीं, जिसने विवाद खड़ा कर दिया। ऐसे में दिलजीत भड़क गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर साफ शब्दों में कहा कि वह अपने फैंस के साथ बदतमीजी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

दिलजीत दोसांझ ने इंस्टा पर लिखा, 'बाहर खड़े होकर शांति से विरोध करना आपका अधिकार है। लेकिन अगर आप अंदर आकर मेरे फैंस को परेशान करेंगे, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मैं किसी खास झंडे या बैनर के खिलाफ नहीं हूं, बल्कि आपकी नियत के खिलाफ है।' पिछले हफ्ते कनाडा के कैलगेरी में हुए दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट के में कुछ प्रदर्शनकारी खालिस्तानी झंडे लहरा रहे थे। उस समय दिलजीत ने मंच से कहा था कि कोई चाहे कितने भी झंडे लहरा ले पर वह पूरी दुनिया में पंजाब का नाम रोशन करना जारी रखेंगे। दिलजीत ने रविवार को पोस्ट शेयर कर बताया कि उनके कॉन्सर्ट में लोग अपने साथ झंडे लेकर आते हैं। वे ऐसा अपनी पहचान और समर्थन दिखाने के लिए करते हैं। उन्होंने ये भी बताया कि उन्हें इससे कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन अगर वही लोग बाहर खड़े होकर फैंस को गाली देते हैं और अंदर आकर कार्यक्रम में बाधा डालते हैं तो उन्हें उससे दिक्कत है। उन्होंने कहा कि उन्होंने सिक्योरिटी को ऐसे लोगों को कॉन्सर्ट से निकालकर बाहर फेंकने के सख्त निर्देश दिए हैं। आपको बता दें, पंजाब के रिटायर्ड आईएएस अधिकारियों और सैन्य दिग्गजों के एक थिंक टैंक ने दिलजीत को पंजाव का नेतृत्व संभालने का प्रस्ताव दिया था।

प्रसाद ग्रहण करने के बाद सिर पर हाथ फेरने की क्या वजह जानते हैं आप ?

सनातन परंपरा में ईश्वर की पूजा में प्रसाद का बहुत महत्व है। भक्त अपने आराध्य को उनका मनचाहा भोग लगाकर उन्हें प्रसन्न करते है। तीज–त्योहार और घर में होने वाले मांगलिक कार्यक्रमों के दौरान भगवान को विशेष भोग लगाया जाता है। मंदिर या घर में प्रसाद ग्रहण करने के दौरान देखा जाता है कि कुछ लोग सिर पर हाथ जरूर घुमाते हैं। हालांकि बहुत से कम इसका कारण जानते होंगे।

क्या कहते हैं ज्योतिष शास्त्र?

ज्योतिष शास्त्र की मानें तो प्रसाद खाने के बाद सिर के

ऊपर से हाथ घुमाना फलदायी होता है। सिर के ऊपर से हाथ इसलिए घुमाया जाता है ताकि भगवान की कृपा हमारे सिर तक पहुंच सके। कहा जाता है कि जब हम प्रसाद खाते हैं तो यह प्रतीक है भगवान की कृपा का। जब हम इसे ग्रहण करने के बाद सिर के ऊपर से हाथ फिराते हैं तब हम उस कृपा को दिमाग तक पहुंचाना चाहते हैं।

चरणामृत को लेकर अलग है नियम

ज्योतिष शास्त्र तो यह भी कहते हैं कि सिर पर हाथ घुमाने से शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और शरीर में दिव्य योग जागने लगता है जिससे आध्यात्म की तरफ हमारा मन और भी बढ़ता है। हालांकि यह भी कहा जाता है चरणामृत लेने के बाद भूलकर भी उस हाथ को सिर के उपर नहीं फेरना चाहिए।

दाया हाथ माना जाता है शुभ

एक बात याद रखें कि हिंदू धर्म में दाएं हाथ को ही शुभ माना जाता है। पूजा करने से लेकर हवन में आहुति और यज्ञ डालने तक में सीधे हाथ का इस्तेमाल किया जाता है। भगवान का प्रसाद हमेशा सीधे हाथ से ही लेना चाहिए, किसी को दान करते समय दाएं हाथ की ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। आरती लेते समय भी सीधे हाथ को ही आगे लाया जाता है।

नोट– यहां मुहैया सूचना सिर्फ मान्यताओं और जानकारियों पर आधारित है।

गर्मियों में बालों को रखें फ्रेश और हेल्दी, अपनाएं ये आसान एक्सपर्ट टिप्स

गर्मियों का मौसम सिर्फ त्वचा ही नहीं, बालों के लिए भी कई परेशानियां लेकर आता है। तेज धूप, पसीना, उमस और धूल–मिट्टी की वजह से बाल जल्दी चिपचिपे, बेजान और फ्रिजी दिखने लगते हैं। कई बार लोग इसे सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन लगातार खराब मौसम का असर बालों की सेहत पर गहराई से पड़ता है। हेयर एक्सपर्ट्स का मानना है कि गर्मियों में बालों की सही देखभाल के लिए जरूरत से ज्यादा प्रोडक्ट्स नहीं, बल्कि सही रूटीन अपनाने की जरूरत होती है। अगर कुछ आसान बातों का ध्यान रखा जाए, तो इस मौसम में भी बाल लंबे समय तक फ्रेश, मुलायम और हेल्दी बने रह सकते हैं।

बार–बार शैंपू करना हो सकता है नुकसानदायक

गर्मियों में स्कैल्प पर पसीना और ऑयल ज्यादा बनने लगता है, इसलिए कई लोग रोज बाल धोने लगते हैं। लेकिन ऐसा करना बालों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। बार–बार शैंपू करने से स्कैल्प का प्राकृतिक तेल कम होने लगता है, जिससे बाल और ज्यादा ड्राई हो जाते हैं। ऐसे में स्कैल्प दोबारा ज्यादा तेल बनाना शुरू कर देता है। बेहतर होगा कि सप्ताह में 2 से 3 बार माइल्ड शैंपू का इस्तेमाल करें और बालों की लंबाई से ज्यादा स्कैल्प की सफाई पर ध्यान दें।

बालों को हाइड्रेट रखना है बेहद जरूरी

तेज धूप और गर्म हवा बालों की नमी छीन लेती है, जिससे वे रूखे और बेजान दिखने लगते हैं। ऐसे में बालों को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी हो जाता है। हल्के और मॉइस्चराइजिंग कंडीशनर का इस्तेमाल करें। साथ ही हफ्ते में एक बार डीप–कंडीशनिंग हेयर मास्क जरूर लगाएं। लीव–इन कंडीशनर भी गर्मियों में काफी फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि यह बालों को बिना भारी बनाए मुलायम बनाए रखने में मदद करता है।

हीट स्टाइलिंग से बालों को दें थोड़ा आराम

गर्मियों में बाल पहले ही धूप और गर्म हवा का सामना कर रहे होते हैं। ऐसे में बार–बार स्ट्रेटनर, कर्लर या ब्लो ड्रायर का इस्तेमाल उन्हें और कमजोर बना सकता है। कोशिश करें कि बालों को नेचुरल तरीके से सूखने दें और उनकी प्राकृतिक बनावट को अपनाएं। इससे बाल कम डैमेज होंगे और ज्यादा हेल्दी नजर आएंगे।

फ्रिज कंट्रोल के लिए बनाएं सुरक्षा परत

उमस भरे मौसम में बालों का फ्रिज होना एक आम समस्या है। इसकी वजह से बाल बिखरे और अनमैनेज्ड लगने लगते हैं। इससे बचने के लिए गीले बालों पर हल्का हेयर सीरम या हेयर ऑयल लगाएं। यह बालों पर एक प्रोटेक्टिव लेयर बनाता है, जो नमी को लॉक करने में मदद करता है और बालों को ज्यादा फ्रिजी होने से बचाता है।

धूप से बालों की सुरक्षा भी है जरूरी

जैसे त्वचा को सन प्रोटेक्शन की जरूरत होती है, वैसे ही बालों को भी धूप से बचाना जरूरी है। लंबे समय तक तेज धूप में रहने से बाल कमजोर हो सकते हैं और उनका नेचुरल रंग भी फीका पड़ सकता है। बाहर निकलते समय स्कार्फ, टोपी या दुपट्टे से बालों को ढकें। साथ ही ऐसे हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें जिनमें यूवी प्रोटेक्शन मौजूद हो।

हेल्दी स्कैल्प से ही मिलते हैं खूबसूरत बाल

बालों की असली सेहत स्कैल्प से शुरू होती है। अगर स्कैल्प साफ और हेल्दी रहेगा, तो बाल भी लंबे समय तक फ्रेश दिखेंगे। पसीना जमा होने से खुजली, डैंड्रफ और चिपचिपाहट जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए समय–समय पर स्कैल्प को अच्छी तरह साफ करें और जरूरत से ज्यादा स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स लगाने से बचें।

गर्मियों में आसान हेयरस्टाइल्स हैं बेहतर

बहुत ज्यादा उमस वाले दिनों में बालों को खुला रखने की बजाय आसान और आरामदायक हेयरस्टाइल चुनना बेहतर होता है। स्लीक बन, चोटी या पोनीटेल जैसे हेयरस्टाइल न सिर्फ स्टाइलिश लगते हैं, बल्कि गर्मी और पसीने से भी राहत देते हैं। साथ ही बाल कम उलझते हैं और ज्यादा व्यवस्थित नजर आते हैं।

सही देखभाल से ही मिलते हैं खूबसूरत बाल

गर्मियों में बालों की देखभाल का मतलब ढेर सारे प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि सही तरीके अपनाना है। जब आप स्कैल्प की सफाई, हाइड्रेशन और धूप से सुरक्षा पर ध्यान देते हैं, तो बाल अपने आप ज्यादा हेल्दी और चमकदार दिखने लगते हैं। क्योंकि खूबसूरत बाल सिर्फ स्टाइल से नहीं, सही देखभाल से बनते हैं।

लंच के बाद मीठे की हो रही है क्रेविंग, तो समझो शरीर में हो गई है इस चीज की कमी

आप भरपेट खाना खा चुके होते हैं। आपको ठीक से भूख भी नहीं लगी होती और फिर भी, मीठा खाने की इच्छा बनी रहती है। चॉकलेट का एक टुकड़ा, एक बिस्किट, या शायद बस कुछ थोड़ा–सा खाकर आप अपनी तलब को शांत करते हो । लेकिन यह तलब हमेशा सिर्फ आदत की वजह से ही नहीं होती। कभी–कभी, आपका शरीर उस चीज पर प्रतिक्रिया दे रहा होता है जो उसे आपके अभी खाए गए खाने से नहीं मिली। नए वैज्ञानिक डेटा बताते हैं कि खाना खाने के बाद मीठा खाने की तलब किसी गंभीर चीज की ओर इशारा करती है।

शुगर का वह उछाल जिस पर आप ध्यान नहीं देते

जब आप ज़्यादा कार्बोहाइड्रेट वाला खाना खाते हैं, तो आपके खून में ग्लूकोज का लेवल बढ़ जाता है। अगर खाने में प्रोटीन और फाइबर कम हो, तो इंसुलिन का लेवल तेजी से बढ़ता है, जिससे ब्लड शुगर जल्दी नीचे गिर जाता है। तो, भले ही आपने अभी–अभी खाना खाया हो, आपके शरीर को अचानक लगने लगता है कि उसे और एनर्जी की जरूरत है। ब्लड शुगर के इस तरह नीचे गिरने से दिमाग को एक सिग्नल मिलता है कि शरीर को तुरंत एनर्जी चाहिएय दिमाग अक्सर इसे कुछ मीठा खाने की इच्छा के तौर पर समझता है। इस पूरे चक्र का एक नाम हैकृ रिएक्टिव हाइपोग्लाइसीमिया। लेकिन ज़्यादातर लोग इसे किसी बीमारी या समस्या के तौर पर महसूस नहीं करते। वे इसे बस एक ऐसी जबरदस्त तलब या इच्छा के तौर पर महसूस करते हैं,

जिसे वे चाहकर भी नजरअंदाज नहीं कर पाते।

चीनी का सेवन कम करने से भी होता है ऐसा

अगर आप किसी खास चीज, जैसे चीनी का सेवन कम कर देते हैं तो आपको वंचित महसूस हो सकता है। इसका मतलब है कि आपका दिमाग खुद को वंचित महसूस करता है, भले ही आपके शरीर में किसी पोषक तत्व की कमी न हो। नतीजतन, आपको उस खास चीज को खाने की तीव्र इच्छा हो सकती है। आपको अपने आस–पास के माहौल से मिलने वाले संकेतों के कारण भी खाने की तीव्र इच्छा हो सकती हैय आज के समय में ऐसे संकेत बहुत ज़्यादा देखने को मिलते हैं। रिसर्च में पाया गया है कि खाने से जुड़े संकेतों को देखने या उनके संपर्क में आने से खाने की इच्छा काफी बढ़ जाती है। चीनी खाने से हमें संतुष्टि मिलती है, क्योंकि यह दिमाग में मौजूद इनाम तंत्र को सक्रिय कर देती है। इससे सेरोटोनिन और डोपामाइन नामक हॉर्मोन का स्राव बढ़ जाता है, जो हमें खुशी और अच्छा महसूस कराते हैं। यही वजह है कि जब हम दुखी या तनाव में होते हैं, तो ज़्यादा खाने लगते हैं (जिसे इमोशनल ईटिंग या स्ट्रेस ईटिंग कहते हैं)। अध्ययनों से पता चला है कि जब हमारा मूड खराब होता है, तो हम अक्सर ज़्यादा कार्बोहाइड्रेट और ज़्यादा फैट वाली चीजें खाने लगते हैंय इन चीजों को खाने से शरीर में एंडोर्फिन नामक हॉर्मोन का स्राव होता है। हालांकि मीठा खाकर खुशी का यह एहसास कुछ समय के लिए ही रहता है। अगर आप लंबे समय तक बहुत ज़्यादा चीनी खाते रहते हैं, तो आपके शरीर में डोपामाइन का स्तर लगातार कम हो सकता है।

सफेद बालों से पाना है छुटकारा तो काम आएंगे ये नुस्खे, कमजोर बाल भी बनेंगे मजबूत

गलत खान–पान का असर स्वास्थ्य के साथ–साथ बालों पर भी पड़ रहा है। कम उम्र में ही छोटे बच्चों के बाल सफेद होते जा रहे हैं। इसके अलावा कैमिकल युक्त प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने के कारण यह कमजोर भी पड़ रहे हैं। बालों की अच्छी ग्रोथ और इन्हें मजबूती देने के लिए महिलाएं कई तरह के नुस्खे भी इस्तेमाल करती हैं लेकिन फिर भी इनमें जान नहीं आती। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं जिनका इस्तेमाल आप बालों की समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

मजबूत बनेंगे बाल

सामग्री

नारियल तेल – 2 टेबलस्पून

मेथी दाना – 2 टेबलस्पून

प्याज – 1/2 कप

करी पत्ता – 1 कप

गुड़हल के फूल – 10–15

बालों में लगाने का तरीका

. सबसे पहले एक बर्तन में नारियल तेल डालें।

. जैसे तेल गर्म हो जाए तो इसमें प्याज डाल दें।

. प्याज को धीमी आंच पर पकाएं और फिर इसमें मेथी दाना डाल दें।

. मेथी दाना मिलाने के बाद इसमें करी पत्ता डालें।

. अब इसमें गुड़हल के फूल मिलाएं।

. सारी चीजों को अच्छे से पका लें।

. पकाने के बाद तैयार तेल को बर्तन में रख दें।

हफ्ते में दो बार आप बालों में इस तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सफेद बालों के लिए नुस्खा

अगर आपके बाल उम्र से पहले ही सफेद हो रहे हैं तो आप इस नुस्खे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सामग्री

पानी – 1 कप

चाय पत्ती – 1 टेबलस्पून

सदाबहार फूल – 1 कप

कॉफी – 1 टेबलस्पून

कैसे करें इस्तेमाल?

. सबसे पहले एक बर्तन में पानी गर्म करें।

. इसके बाद इसमें चाय पत्ती मिलाएं।

. जैसे यह पानी उबलने होने लगे तो उसे एक बर्तन में डालकर ठंडा कर लें।

. जैसे यह ठंडा हो जाए तो पानी को मिक्सी में डालें और उसमें फूल डाल दें।

. मिश्रण को ब्लैंड करें और इससे पेस्ट तैयार कर लें।

. तैयार पेस्ट में कॉफी मिलाएं और मिक्स कर लें।

सफेद बालों के लिए एक और नुस्खा

कलौंजी – 2 टेबलस्पून

कॉफी – 2 टेबलस्पून

सरसों का तेल – 2 चम्मच

कैसे करें इस्तेमाल?

. सबसे पहले कलौंजी को एक बर्तन में डालें।

. इसके बाद इसे अच्छे से 5 मिनट तक पका लें।

. तय समय के बाद इसे एक कटोरी में निकाल लें।

. अब इसमें कॉफी पाउडर डालें और सरसों का तेल मिलाएं।

. सारी चीजों को अच्छे से मिक्स करके तैयार मास्क बालों में लगाएं।

. 1 घंटे तक बालों में लगा रहने दें।

. तय समय के बाद बाल शैंपू से धो लें।

. इस मास्क का इस्तेमाल आप हफ्ते में 2–3 बार कर सकते हैं।

संक्षिप्त

आरसीबी के हेड कोच एंडी फ्लावर पर क्यों चला बीसीसीआई का चाबुक? भरना पड़ेगा इतना जुर्माना

रायपुर, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हेड कोच एंडी फ्लावर पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। फ्लावर को रविवार को आरसीबी और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच खेले गए मुकाबले में कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल एक का दोषी पाया गया है। एंडी फ्लावर ने कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.3 का उल्लंघन किया, जो मैच के दौरान 'अभद्र भाषा' से जुड़ा है। यह घटना आरसीबी की पारी के दौरान 17.2 ओवर में हुई, जब फ्लावर एक फैसले से नाखुश होने के बाद चौथे अंपायर से तीखी बहस करते हुए नजर आए। दरअसल, अल्लाह गजनफर की गेंद पर क्रुणाल ने वाइड लॉन्ग–ऑन की तरफ हवाई शॉट खेला। बाउंड्री लाइन पर फील्डिंग कर रहे नमन धीर ने कैच पकड़ा, लेकिन अपना बैलेंस बिगड़ने की आशंका के चलते उन्होंने गेंद को तिलक वर्मा की तरफ उछाल दिया। हालांकि, तिलक कैच को पूरा नहीं कर सके। पहली नजर में ऐसा लगा कि कैच पकड़ने के प्रयास में नमन का पैर बाउंड्री रोप को छू गया, लेकिन रिप्ले में नमन बाउंड्री लाइन से दूर नजर आए। क्रुणाल को लगा कि यह गेंद छक्के के लिए जा रही है, और इसी कारण वह कोई रन भी नहीं भागे। हालांकि, अंपायर्स ने रिप्ले को देखने के बाद इसको सिक्स करार नहीं दिया। इसके बाद डगआउट में बैठे आरसीबी के कोच एंडी फ्लावर गुस्से से लाल हो गए, और वह सीधा चौथे अंपायर के पास पहुंचे। फ्लावर को चौथे अंपायर से गुस्से में बहस करते हुए देखा गया। फ्लावर ने अपनी गलती को मानते हुए जुर्माना स्वीकार कर लिया है। हालांकि, इसके बावजूद आरसीबी इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ दो विकेट से जीत दर्ज करने में सफल रही। एमआई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मुकाबले में 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 166 रन लगाए। एमआई की ओर से तिलक वर्मा ने 57 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि नमन धीर ने 47 रनों का योगदान दिया। आरसीबी ने एमआई से मिले 168 रनों के लक्ष्य को आखिरी गेंद पर आठ विकेट खोकर हासिल किया। टीम की तरफ से क्रुणाल पांड्या ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 73 रनों की धमाकेदार पारी खेली। क्रुणाल ने अपनी इस पारी में चार चौके और पांच छक्के लगाए। वहीं, जैकब बेथेल ने 27 रनों का योगदान दिया। अंतिम ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने जोरदार सिक्स लगाया और आखिरी गेंद पर रसिख सलाम और भुवनेश्वर ने दो रन दौड़ते हुए आरसीबी को इस सीजन की सातवीं जीत दिलाई। भुवनेश्वर दो गेंदों में सात रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, उन्होंने गेंदबाजी में 23 रन देकर चार विकेट चटकाए।

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 900 अंक गिरा, निफ्टी 24000 से फिसला

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से देश के लोगों से किफायत से चलने की अपील के बाद घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट दिखी। सेंसेक्स करीब 900 अंकों तक टूट गया तो वहीं निफ्टी 23950 के नीचे आ गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 845.68 अंक गिरकर 76,482.51 पर आ गयाय निफ्टी 237.90 अंक गिरकर 23,936.85 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 145 पैसे गिरकर 94.96 पर आ गया। वैश्विक भू–राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी मुद्रा भंडार को संरक्षित करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का असर सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों पर साफ देखने को मिला। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बाजार खुलते ही सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान में चले गए। वहीं, गैर–जरूरी सोने की खरीद से बचने की प्रधानमंत्री की सलाह के बाद आभूषण (ज्वैलरी) सेक्टर के शेयरों में निवेशकों ने भारी बिकवाली की। वॉल स्ट्रीट से मिले कमजोर संकेतों और विदेशी मुद्रा निकासी की चिंताओं ने निवेशकों के सेंटिमेंट पर भारी दबाव डाला है। सोमवार को ओपनिंग बेल पर बीएसई सेंसेक्स 950.16 अंक (1. 23 प्रतिशत) टूटकर 76,378.03 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह, निफ्टी 50 भी 275.90 अंक (1.14 प्रतिशत) की बड़ी गिरावट के साथ 23,900.25 अंकों पर खुला। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम करने के लिए एक सार्वजनिक अपील की थी। उन्होंने देशवासियों से अनावश्यक विदेश यात्राओं और डेस्टिनेशन वेडिंग से बचने के साथ–साथ घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने का आग्रह किया था। इसके अलावा, उन्होंने एक वर्ष के लिए गैर–जरूरी सोने की खरीदारी से बचने का भी अनुरोध किया था। इस बयान के तुरंत बाद ज्वैलरी कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट दर्ज की गईरू सेन्को गोल्ड लिमिटेड का शेयर 8.98 प्रतिशत लुढ़ककर 332. 60 रुपये पर आ गया। कल्याण ज्वैलर्स इंडिया लिमिटेड में 7. 43 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 393.00 रुपये पर आ गया। टाइटन कंपनी लिमिटेड का शेयर 5.34 प्रतिशत गिरकर 4,268. 10 रुपये और पीसी ज्वैलर लिमिटेड 3.89 प्रतिशत टूटकर 9.13 रुपये पर कारोबार करता दिखा। बैंकिंग और बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा के अनुसार, प्रधानमंत्री ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ऊर्जा आपूर्ति और मूल्य चुनौतियों पर स्पष्ट रूप से बात की है। ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करने के इस परिदृश्य के बीच महंगाई का खतरा मंडरा रहा है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) का घाटा 30,000 करोड़ रुपये प्रति माह तक पहुंच गया है, जिससे इस सप्ताह पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की उम्मीद काफी बढ़ गई है। इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक अनिश्चितता बढ़ गई है।

'भुवनेश्वर को टीम इंडिया में वापस लाओ...', आरसीबी की जीत के बाद अश्विन की बड़ी मांग, जानें क्या कहा

रायपुर, एजेंसी। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु की रोमांचक जीत के बाद पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बड़ा बयान दिया है। अश्विन ने अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की भारत की टी20 टीम में वापसी की मांग की है। भुवनेश्वर ने रायपुर में खेले गए मुकाबले में गेंद और बल्ले दोनों से शानदार योगदान दिया। उन्होंने पहले चार विकेट झटके और फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम ओवर में दबाव के बीच अहम छक्का लगाया।

हैशटैग ब्रिंग बैक भुवी

अश्विन ने भुवनेश्वर के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि अब उन्हें राष्ट्रीय टीम में दोबारा मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, श्हैशटैग ब्रिंग बैक भुवी। मैं उन्हें भारत की टी20 टीम के लिए फिर से चुने जाते देखना चाहूंगा। नई गेंद से शानदार, डेथ ओवर अच्छे से खत्म कर सकते हैं और दबाव में छक्का भी मार देते हैं। मैदान के सबसे कठिन हिस्से में भी उन्होंने ऐसा किया।

रोहित को आउट करने वाली गेंद पर भी तारीफ

भुवनेश्वर ने मैच में मुंबई इंडियंस की शुरुआत बिगाड़ दी थी। उन्होंने रायन रिकेल्टन, रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव जैसे बड़े विकेट झटके। अश्विन ने कहा, श्जब उन्हें समझ आया कि पिच पर मदद है, तब वह टेस्ट मैच जैसी गेंदबाजी कर रहे थे। ओपनिंग बल्लेबाज को लगातार परखते रहे। रोहित शर्मा को जिस शानदार गेंद पर आउट किया, वह कमाल था। धीमी गेंद, हल्का स्विंग और शानदार नतीजा।

टीम के लिए खेलते हैं भुवी

अश्विन ने भुवनेश्वर की

निस्वाथे सोच की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ष्बाद में डेथ ओवरों में उन्होंने निजी उपलब्धि नहीं देखी, बल्कि टीम के लिए यॉर्कर डालते रहे। वह चौथा विकेट लेने जा सकते थे, लेकिन उन्होंने टीम को प्राथमिकता दी। मैं उनके लिए बहुत खुश हूं।

क्रुणाल पांड्या पर भी बरसे अश्विन

आरसीबी की जीत में क्रुणाल पांड्या की 73 रन की पारी भी बेहद अहम रही। टीम एक समय मुश्किल में थी, लेकिन क्रुणाल ने मैच संभाल लिया। अश्विन ने मजाकिया अंदाज में कहा, ष्हम एचआर मैनेजर और प्रोजेक्ट मैनेजर जानते हैं, लेकिन वह असली 'प्रेशर मैनेजमेंट' था। अगर किसी की जरूरत हो तो 'के' (K) दबाइए, मतलब क्रुणाल पांड्या।श

आरसीबी पर क्या बोले अश्विन?

अश्विन ने कहा कि यह जीत आरसीबी के लिए बहुत जरूरी थी और अब टीम टूर्नामेंट में तेजी से आगे बढ़ सकती है। उन्होंने कहा, श्आरसीबी इतनी मुश्किल में नहीं थी, लेकिन उन्हें यह मैच हर हाल में जीतना था। यह जीत उन्हें फिर से लय में ले आएगी। अब वे टूर्नामेंट में तेजी से आगे बढ़ सकते हैं।

रोमारियो शेफर्ड पर धैर्य रखने की सलाह

अश्विन ने यह भी कहा कि आरसीबी को रोमारियो शेफर्ड को लेकर जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, श्लोग सोच सकते हैं कि उन्हें बदल दिया जाए, लेकिन जब आप जानते हैं कि वह क्या कर सकते हैं, तो धैर्य रखना चाहिए। बड़े मैच में अगर वह चल गए, तो टीम को फायदा होगा।

टीम इंडिया के लिए संकेत?

भुवनेश्वर कुमार का यह प्रदर्शन ऐसे समय आया है जब भारत टी20 टीम में अनुभव और नई ऊर्जा का संतुलन तलाश रहा है। अश्विन की मांग के बाद अब चर्चा तेज हो गई है कि क्या भुवी एक बार फिर नीली जर्सी में दिखेंगे।

क्या हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस को किया अनफॉलो ? प्लेऑफ से बाहर होते ही बढ़ी अलगाव की चर्चा

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ से बाहर होने के बाद कप्तान हार्दिक पंड्या एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। सोशल मीडिया पर यह दावा तेजी से वायरल हुआ कि हार्दिक ने इंस्टाग्राम पर मुंबई इंडियंस को अनफॉलो कर दिया। आरसीबी से हार के बाद यह गतिविधि सामने आई, जिसके बाद फैंस ने हार्दिक के भविष्य को लेकर कयास लगाने शुरू कर दिए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हार्दिक पंड्या की इंस्टाग्राम फॉलोइंग लिस्ट में कुछ समय के लिए 150 अकाउंट दिख रहे थे और उसमें मुंबई इंडियंस का नाम नहीं था, लेकिन कुछ ही मिनटों बाद यह संख्या फिर 151 हो गई और मुंबई इंडियंस का अकाउंट दोबारा दिखाई देने लगा। यही छोटी सी चीज सोशल मीडिया पर बड़ी चर्चा बन गई।

इस मामले पर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में यह साफ नहीं है कि यह गलती से अनफॉलो हुआ, तकनीकी समस्या थी या हार के बाद नाराजगी का संकेत। हार्दिक पंड्या और मुंबई इंडियंस, दोनों की ओर से अब तक कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

हार्दिक की मुंबई इंडियंस में वापसी और आईपीएल 2024 से कप्तानी संभालने का फैसला पहले ही फैंस के बीच चर्चा और विवाद का विषय रहा था। रोहित शर्मा से कप्तानी लेकर हार्दिक को जिम्मेदारी देने के फैसले पर मुंबई इंडियंस फैनबेस दो हिस्सों में बंट गया था। तभी से हार्दिक और टीम से जुड़ी हर घटना पर बारीकी से नजर रखी जा रही है।

आईपीएल 2026 हार्दिक और मुंबई इंडियंस दोनों के लिए निराशाजनक रहा। टीम लगातार लय नहीं पकड़ सकी और प्लेऑफ से बाहर हो गई। हार्दिक का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी खास नहीं रहा। उन्होंने आठ मैचों में सिर्फ 146 रन बनाए और चार विकेट लिए। पीठ में ऐंठन की समस्या के कारण वह तीन मुकाबलों में नहीं खेल सके। आरसीबी के खिलाफ भी मेडिकल क्लियरेंस नहीं मिलने पर वह बाहर रहे।

हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि मुंबई इंडियंस

मैनेजमेंट अभी भी हार्दिक की कप्तानी पर भरोसा बनाए हुए है। टीम प्रबंधन मौजूदा संघर्ष को सिर्फ कप्तानी नहीं, बल्कि बदलते टी20 क्रिकेट के दौर से जोड़कर देख रहा है। फिर भी प्लेऑफ से बाहर होने और इंस्टाग्राम विवाद के बाद हार्दिक पंड्या का भविष्य फिर चर्चा के केंद्र में आ गया है। अब सभी की नजर इस बात पर होगी कि अगले सीजन में ड्प और हार्दिक का रिश्ता किस दिशा में जाता है।

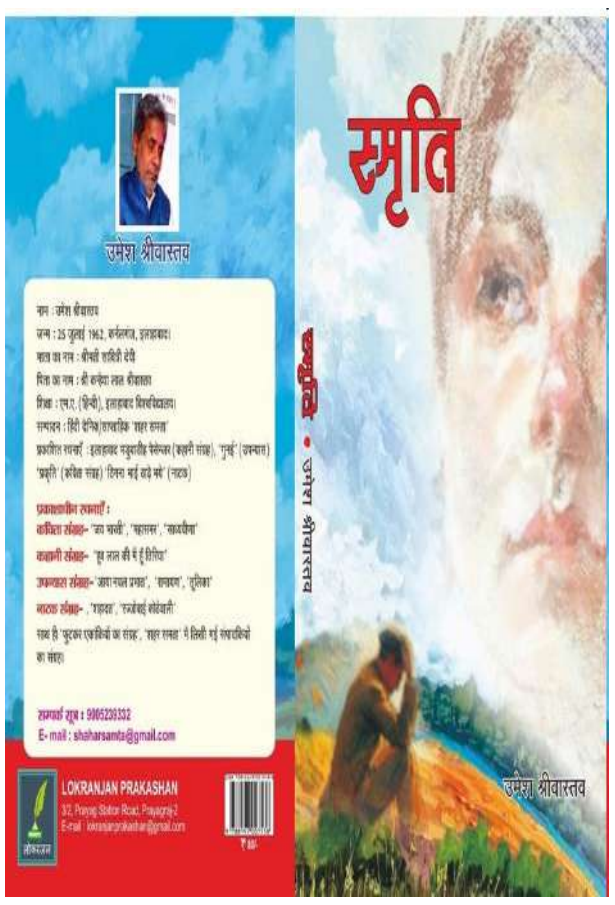

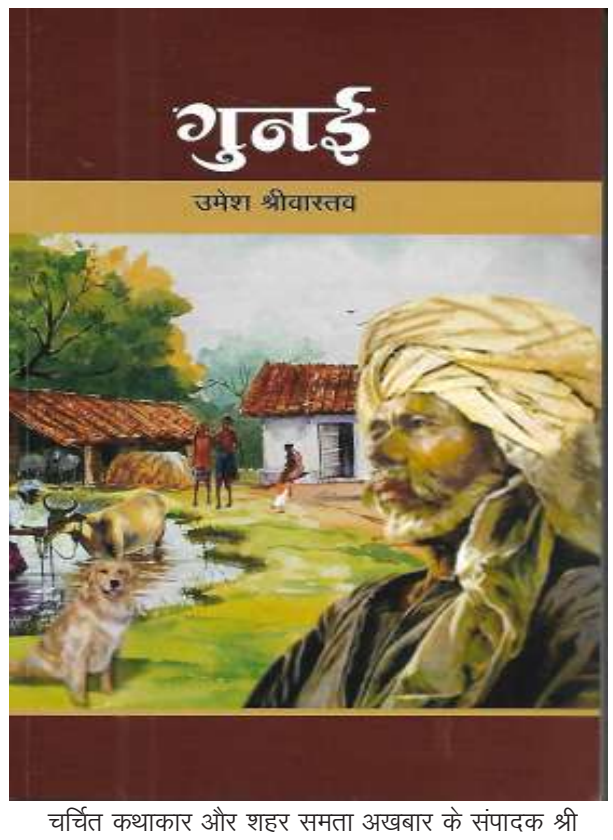

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

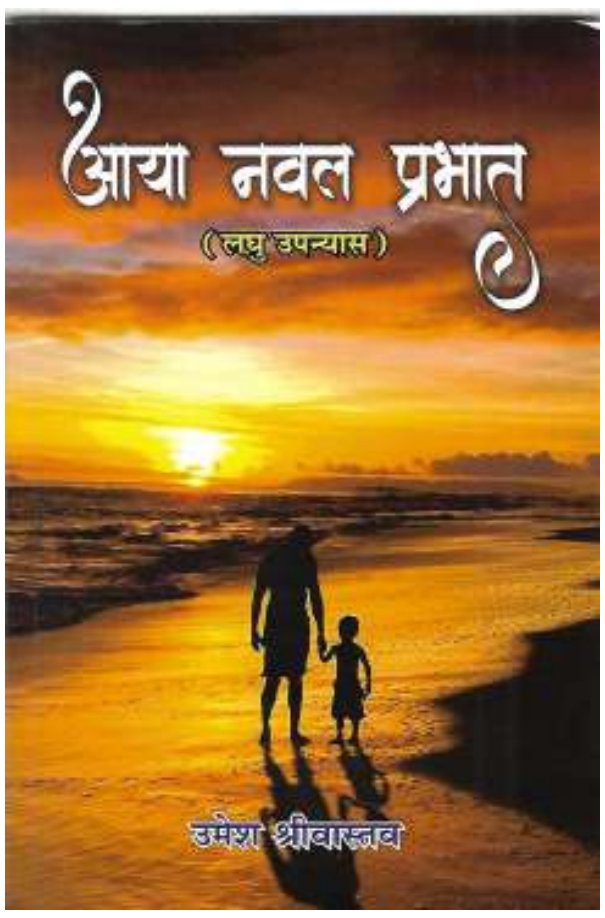

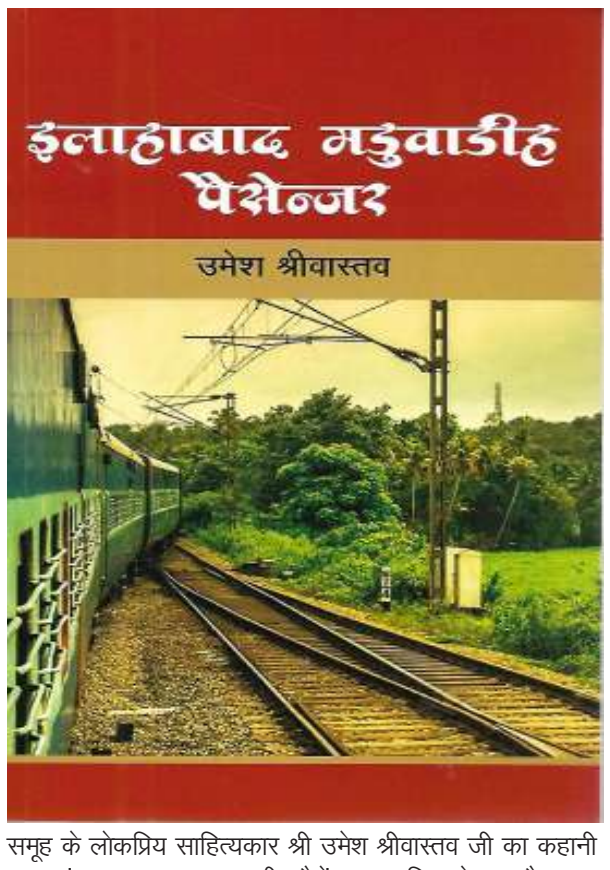

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

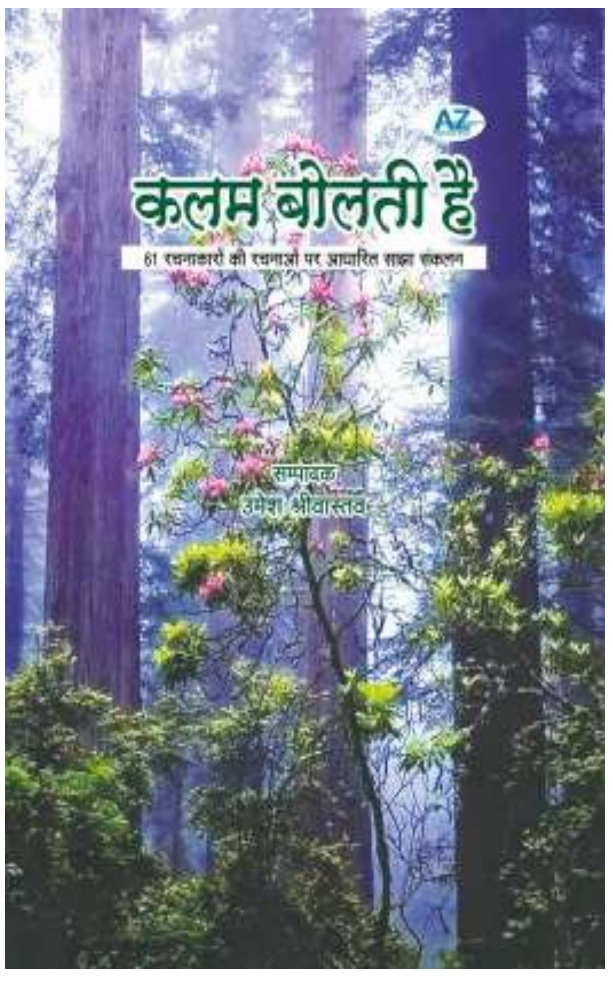

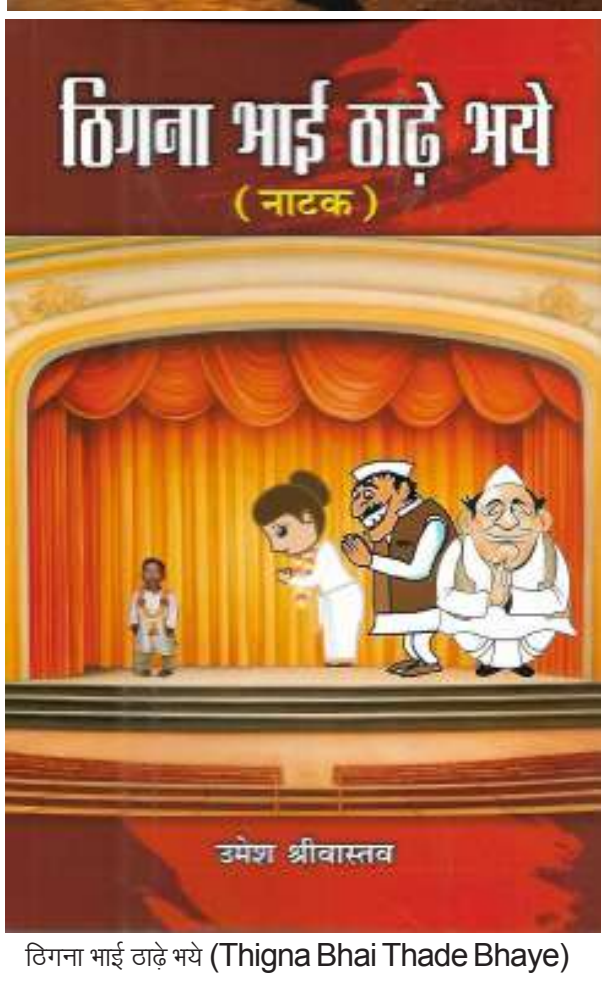

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पूर्व पीएम थाकसिन शिनावात्रा आठ महीने बाद जेल से रिहा, भ्रष्टाचार के मामले में ठहराए गए थे दोषी

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की राजनीति में दशकों तक विवाद और ध्रुवीकरण का केंद्र रहे पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा को आज बैंकॉक की जेल से रिहा कर दिया गया। भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में एक साल की सजा काट रहे 76 वर्षीय थाकसिन ने आठ महीने जेल में बिताए, जिसके बाद उन्हें पैरोल पर रिहाई मिली। बैंकॉक की क्लोंग प्रेम सेंट्रल जेल के बाहर उनके स्वागत के लिए करीब 300 समर्थक और राजनीतिक सहयोगी जुटे। थाकसिन सफेद पोलो टी–शर्ट और नीली पैंट में जेल से बाहर निकले, जहां उनके परिवार ने उन्हें गले लगाया। समर्थकों ने वी लव थाकसिन के नारे लगाए और उन्हें लाल गुलाब भेंट किए। हालांकि, उन्होंने मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। थाकसिन शिनावात्रा दूरसंचार कारोबार से जुड़े अरबपति कारोबारी रहे हैं। उन्होंने 1998 में अपनी राजनीतिक पार्टी बनाई और 2001 में थाईलैंड के प्रधानमंत्री बने। 2006 में सेना ने तख्तापलट कर उनकी सरकार को हटा दिया था। उस समय वह विदेश दौरे पर थे। इसके बाद थाई राजनीति लगभग दो दशकों तक गहरे राजनीतिक संघर्ष और ध्रुवीकरण का शिकार रही। थाकसिन पर सत्ता के दुरुपयोग, अपने कारोबारी हितों को फायदा पहुंचाने और सरकारी लॉटरी परियोजना में अनियमितताओं के आरोप लगे थे। उन्हें अनुपस्थिति में दोषी ठहराया गया था। हालांकि, 2023 में वह स्वदेश लौटे और अदालत के सामने पेश हुए। शुरुआत में उन्हें आठ साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन बाद में थाईलैंड के राजा महा वजिरालोंगकोर्न ने इसे घटाकर एक साल कर दिया। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए थाकसिन को बैंकॉक के पुलिस अस्पताल के विशेष कक्ष में सजा काटने की अनुमति मिली थी। इस फैसले पर विरोधियों ने उन्हें विशेष सुविधा दिए जाने का आरोप लगाया। इसके बाद सितंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जेल में सजा पूरी करने का आदेश दिया था। हाल ही में न्याय मंत्रालय की एक समिति ने अच्छे आचरण, बढ़ती उम्र और दोबारा अपराध की कम संभावना को देखते हुए उन्हें पैरोल देने की मंजूरी दी। रिहाई के बाद अगले चार महीनों तक वह निगरानी में रहेंगे। उन्हें बैंकॉक स्थित अपने घर में रहना होगा, इलेक्ट्रॉनिक मॉनिटरिंग ब्रेसलेट पहनना होगा और नियमित रूप से अधिकारियों को रिपोर्ट करनी होगी। थाकसिन की बेटी पैतोंगटार्न शिनावात्रा 2024 में थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री बनी थीं, लेकिन 2025 में एक विवादित फोन कॉल सामने आने के बाद संवैधानिक अदालत ने उन्हें पद से हटा दिया था। इस साल हुए आम चुनाव में थाकसिन समर्थित फेउ थाई पार्टी तीसरे स्थान पर रही।

'SIR से बंगाल में भाजपा की जीत और केरल में कांग्रेस को हुआ फायदा', शशि थरूर का चौंकाने वाला दावा

वॉशिंगटन , एजेंसी। सैन फ्रांसिस्को में आयोजित श्स्टैनफोर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंसश में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पश्चिम बंगाल की चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने का चुनाव के नतीजों पर गहरा असर पड़ा। थरूर ने श्स्पेशल इंटेंसिव रिवीजनश (ैप्त्) का हवाला देते हुए कहा कि बंगाल में करीब 91 लाख नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। स्टैनफोर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस के दौरान श्इंडिया, दैट इज भारतश राउंडटेबल में बोलते हुए थरूर ने कहा, सूची से जिन 91 लाख लोगों के नाम हटाए गए उसमें से लगभग 34 लाख लोगों ने अपील की थी। उन्होंने दावा किया था कि वे असली वोटर हैं और उन्हें वोट देने का हक है। नियमों के मुताबिक हर मामले की अलग से जांच होनी थी। लेकिन वोटिंग शुरू होने से पहले केवल कुछ सौ मामलों का ही निपटारा हो सका। इस वजह से लगभग 31 से 32 लाख लोग वोट देने से वंचित रह गए। थरूर ने ध्यान दिलाया कि भाजपा ने बंगाल चुनाव 30 लाख वोटों के अंतर से जीता है। यह अंतर उन लोगों की संख्या के लगभग बराबर है जिनकी अपील पर फैसला नहीं हो पाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और लोकतांत्रिक है? थरूर ने स्पष्ट किया कि उन्हें फर्जी या प्रवासी वोटरों के नाम हटाने से कोई परेशानी नहीं है। लेकिन असली वोटरों को मौका न मिलना चिंता का विषय है। इसके साथ ही उन्होंने केरल का भी जिक्र किया। थरूर ने कहा कि केरल में मतदाता सूची की सफाई से कांग्रेस को फायदा हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां सीपीएम लंबे समय से एक ही व्यक्ति का नाम कई बूथों पर दर्ज कराने में माहिर थी। ैप्त् के कारण ऐसे फर्जी नाम हटा दिए गए। उन्होंने बताया कि केरल और तमिलनाडु में बंगाल की तुलना में बहुत कम अपीलें हुईं। बता दें कि 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है।

भारतीय दवाओं पर अड़ंगे से नेपाल में गंभीर संकट, जीवन रक्षक औषधियों की घोर कमी का खतरा

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल सरकार की नीतियों में बदलाव व शुल्क बाधाओं से देश में जीवन रक्षक दवाओं का संकट पैदा होने लगा है। नेपाल औषधि आयातकर्ता संघ ने चेताया है कि मूल्य समायोजन में दिखाई गई उदासीनता के कारण निकट भविष्य में इन दवाओं का गंभीर संकट पैदा हो सकता है। नेपाल अपनी जरूरत की 70: दवा आयात करता है। इसमें 90: दवाएं भारत से आती हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष व आर्थिक दबाव के कारण दवाओं के कच्चे माल व उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

हंतावायरस का खतरा बढ़ाः क्रूज जहाज पर एक व्यक्ति पॉजिटिव, 17 अमेरिकी यात्री विशेष विमान से लौटे

वॉशिंगटन, एजेंसी। डच क्रूज जहाज एमवी होंडियस सवार का दो यात्री हंतावायरस पॉजिटिव पाया गया है। यह जानकारी अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग ने दी। विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही बताया कि एमवी होंडियस पर मौजूद सभी 17 अमेरिकी नागरिकों को विशेष एयरलिफ्ट के जरिए अमेरिका लाया जा रहा है। एहतियातन संक्रमित और संदिग्ध यात्री को विमान के बायोकंटेनमेंट यूनिट में रखा गया है। हर यात्री की चिकित्सकीय जांच होगी तय प्रोटोकॉल के अनुसार, यात्रियों को सबसे पहले नेब्रास्का के ओमाहा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का मेडिकल सेंटरध्नेब्रास्का मेडिसिन के रीजनल इमर्जिंग स्पेशल पैथोजन ट्रीटमेंट सेंटर (आरईएसपीटीसी) ले जाया जाएगा। इसके बाद हल्के लक्षण वाले यात्री को उसके अंतिम गंतव्य के दूसरे आरईएसपीटीसी में स्थानांतरित किया जाएगा। विभाग के मुताबिक हर यात्री के पहुंचने पर उसकी चिकित्सकीय जांच होगी। वहीं, स्थिति अनुसार उचित इलाज और सहायता प्रदान की जाएगी। शनिवार तक इस प्रकोप से जुड़े आठ संदिग्ध मामले और तीन मौतें सामने आ चुकी थीं। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के मुताबिक, हंतावायरस का ऊष्मायन काल यानी संक्रमण से लक्षण दिखने तक का समय एक से आठ हफ्ते तक हो सकता है। यह वायरस आमतौर पर रोडेंट्स (चूहों आदि) से फैलता है। दुर्लभ मामलों में इंसान से इंसान में भी फैल सकता है। संक्रमितों में मृत्यु दर एक–तिहाई से अधिक बताई जाती है। उधर, ब्रिटेन में भी एमवी होंडियस से निकाले गए 20 ब्रिटिश नागरिकों को रविवार को उत्तर–पश्चिम इंग्लैंड के एक अस्पताल में आइसोलेट किया गया। ये यात्री मैनचेस्टर पहुंचने के बाद बस से मर्सीसाइड के विराल स्थित एरो पार्क अस्पताल ले जाए गए, जहां उन्हें 72 घंटे तक चिकित्सकीय निगरानी में रखा जाएगा। कितने दिनों तक आइसोलेट रहना होगा?

स्थानीय नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) अधिकारियों ने संयुक्त बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि इन लोगों को श्क्लीनिकल मूल्यांकन और परीक्षणश के लिए नियंत्रित वातावरण में रखा जाएगा। यदि उनमें कोई लक्षण नहीं दिखते हैं, तो घर लौटने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन उन्हें अतिरिक्त 42 दिनों तक स्वयं को आइसोलेट रखना होगा। यह आपात कदम एमवी होंडियस से जुड़े हंतावायरस प्रकोप के बाद उठाए गए हैं। इस बीच, ब्रिटेन सरकार ने दक्षिण अटलांटिक स्थित अपने दूरस्थ विदेशी क्षेत्र ट्रिस्टन दा कुन्हा में भी एक विशेष सैन्य और चिकित्सकीय दल भेजा है, जहां एक ब्रिटिश नागरिक में हंतावायरस की पुष्टि हुई है। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने बताया कि, 16 एयर असॉल्ट ब्रिगेड के छह पैराट्रूपर्स और दो सैन्य चिकित्सकों को पैराशूट की मदद से द्वीप पर उतारा गया। साथ ही ऑक्सीजन सिलेंडर और चिकित्सा उपकरण भी हवाई मार्ग से पहुंचाए गए। 221 लोगों की आबादी वाला ट्रिस्टन दा कुन्हा ज्वालामुखीय द्वीप समूह ब्रिटेन का सबसे दूरस्थ आबाद विदेशी क्षेत्र माना जाता है। वहां कोई हवाई पट्टी नहीं है और सामान्यतः केवल समुद्री मार्ग से ही पहुंचा जा सकता है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ऐसा पहली बार है जब ब्रिटिश सेना ने मानवीय सहायता के लिए पैराशूट के जरिए चिकित्सा कर्मियों को उतरवाया। इसके साथ ही ब्रिटिश सरकार ने कहा कि आम जनता के लिए इस वायरस का खतरा बहुत कम है।

क्या क्यूबा में कुछ बड़ा करने वाले हैं ट्रंप ?: नाकेबंदी के बीच बढ़ाई सैन्य गतिविधियां, जानें रिपोर्ट का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच बढ़ते तनाव के बीच क्यूबा के तट के पास अमेरिकी सैन्य खुफिया गतिविधियों में हाल के महीनों में अचानक तेजी देखी गई है। सोमवार को प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि अमेरिकी सेना की निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने वाली उड़ानों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट में फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटराडार24 के सार्वजनिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि 4 फरवरी से अब तक अमेरिकी नौसेना और वायुसेना कम से कम 25 निगरानी उड़ानें संचालित कर चुकी हैं। इनमें ज्यादातर उड़ानें क्यूबा की राजधानी हवाना और सैंटियागो डी क्यूबा के आसपास देखी गईं। कुछ विमान क्यूबा के तट से महज 40 मील यानी करीब 64 किलोमीटर की दूरी तक पहुंच गए। इन मिशनों में मुख्य रूप से अमेरिकी नौसेना के पी–8ए पोसाइडन समुद्री निगरानी विमान का इस्तेमाल किया गया। यह विमान निगरानी, टोही और खुफिया जानकारी जुटाने के लिए तैयार किया गया है। इसके अलावा कुछ उड़ानों में ऐसे विशेष विमान और ड्रोन भी शामिल थे, जो सिग्नल इंटेलिजेंस और हाई–एल्टीट्यूड रिकॉनिसेंस मिशनों में इस्तेमाल किए जाते हैं। इन घटनाओं को असामान्य माना जा रहा है रिपोर्ट के अनुसार, इन उड़ानों की बढ़ती संख्या और क्यूबा के तट के इतने करीब पहुंचना असामान्य माना जा रहा है। फरवरी से पहले इस क्षेत्र में इस तरह की सार्वजनिक सैन्य गतिविधियां बहुत कम देखने को मिलती थीं। सीएनएन ने adsb-eÛposed के डेटा का हवाला देते हुए कहा कि क्यूबा के आसपास इस तरह की सैन्य तैनाती अमेरिकी गतिविधियों के पुराने पैटर्न से अलग है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा के खिलाफ अपनी बयानबाजी तेज कर दी है। जनवरी में ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्ट्रूथ सोशलश पर फॉक्स न्यूज के योगदानकर्ता मार्क थीसेन की एक टिप्पणी साझा की थी, जिसमें कहा गया था कि ट्रंप अपने कार्यकाल खत्म होने से पहले फ्री हवाना का दौरा करेंगे। इसके कुछ दिनों बाद ही ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर तेल नाकेबंदी लागू करने का आदेश दिया था। अमेरिका ने क्यूबा पर लगाए नए प्रतिबंध पिछले सप्ताह अमेरिका ने क्यूबा की प्रमुख आर्थिक संस्थाओं पर नए प्रतिबंध भी लगाए। इनमें क्यूबा–कनाडा की एक संयुक्त खनन कंपनी और क्यूबा की सेना द्वारा संचालित कारोबारी समूह शामिल हैं। अमेरिकी प्रशासन का दावा है कि ये संस्थाएं अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के लिए खतरा हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वेनेजुएला और ईरान में अमेरिकी सैन्य अभियानों से पहले भी इसी तरह का पैटर्न देखने को मिला था, जहां अमेरिकी बयानबाजी के साथ–साथ निगरानी उड़ानों में भी तेजी आई थी।

रिश्तों में नया मोड़ः नौ साल बाद चीन जाएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति, व्यापार और ताइवान पर होगी बड़ी बातचीत

बीजिंग, एजेंसी। करीब नौ साल बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति चीन की आधिकारिक यात्रा पर जा रहा है। चीन के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को घोषणा की कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 13 से 15 मई तक चीन दौरे पर रहेंगे। यह यात्रा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर हो रही है। ऐसे समय में यह दौरा बेहद अहम माना जा रहा है, जब अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध, होर्मुज जलडमरूमध्य पर संकट और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ी हुई है। साथ ही ताइवान, व्यापार और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा जैसे मुद्दों पर अमेरिका और चीन के बीच तनाव भी लगातार बना हुआ है। व्हाइट हाउस की प्रिंसिपल डिप्टी प्रेस सेक्रेटरी अन्ना केली के मुताबिक, ट्रंप बुधवार शाम बीजिंग पहुंचेंगे। गुरुवार को उनका भव्य स्वागत समारोह आयोजित होगा, जिसके बाद राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक होगी। कार्यक्रम में टेंपल ऑफ हेवन का दौरा और राजकीय भोज भी शामिल है। शुक्रवार को दोनों नेता एक बार फिर मुलाकात करेंगे, जहां चाय पर चर्चा और वर्किंग लंच का आयोजन होगा। अमेरिका ने संकेत दिए हैं कि इस साल के अंत में शी जिनपिंग की अमेरिका यात्रा भी हो सकती है। ट्रंप की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच टैरिफ और व्यापार समझौते को लेकर उम्मीदें तेज हैं। दोनों देशों ने रविवार को घोषणा की कि चीन के उपप्रधानमंत्री हे लिफेंग 12 और 13 मई को दक्षिण कोरिया में अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट के साथ अंतिम दौर की व्यापार वार्ता करेंगे। माना जा रहा है कि इन बातचीतों का मकसद ट्रंप की यात्रा से पहले व्यापारिक तनाव को कम करना है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि यह वार्ता दक्षिण कोरिया के बुसान में दोनों नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति और हालिया फोन बातचीत के आधार पर आगे बढ़ेगी। बातचीत में आर्थिक और व्यापारिक मुद्दों पर फोकस रहेगा। इस बीच, ताइवान का मुद्दा भी ट्रंप–शी वार्ता के केंद्र में रहने वाला है। ट्रंप की यात्रा से पहले वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ताइवान को लेकर अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, राष्ट्रपति ट्रंप और शी जिनपिंग के बीच ताइवान को लेकर लगातार चर्चा होती रही है, लेकिन अमेरिका की आधिकारिक नीति पहले जैसी ही बनी हुई है। अमेरिकी अधिकारियों ने ताइवान को हथियार बिक्री का मुद्दा भी उठाया। उनका दावा है कि ट्रंप प्रशासन ने अपने पहले कार्यकाल के शुरुआती वर्ष में ही ताइवान को पिछले प्रशासन के पूरे चार वर्षों की तुलना में कहीं अधिक हथियार बिक्री को मंजूरी दी थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

ट्रंप ने ठुकराया ईरान का जवाब, युद्धविराम वार्ता पर फिर बढ़ा तनाव, होर्मुज पर मंडराया खतरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव एक बार फिर बढ़ता दिखाई दे रहा है। ईरान ने युद्धविराम को लेकर अमेरिका के नए प्रस्ताव का जवाब पाकिस्तान के माध्यम से भेज दिया है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे तुरंत खारिज करते हुए श्पूरी तरह अस्वीकार्यश बताया। हालांकि ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि प्रस्ताव में ऐसी कौन–सी बातें थीं

जिन्हें अमेरिका मानने को तैयार नहीं है। ईरान ने कहा है कि वह सिर्फ अस्थायी नहीं बल्कि स्थायी रूप से युद्ध खत्म करना चाहता है। तेहरान की मांग है कि संघर्ष सिर्फ ईरान तक सीमित न रहे, बल्कि लेबनान समेत पूरे क्षेत्र में शांति स्थापित हो। ईरान चाहता है कि समुद्री व्यापार और तेल आपूर्ति के रास्तों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाए। अमेरिका के प्रस्ताव में युद्ध समाप्त करने, रणनीतिक जलमार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने की शर्तें शामिल थीं। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया में तेल और गैस सप्लाई का सबसे महत्वपूर्ण रास्ता माना जाता है। इस बीच ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ईरान पर निशाना साधते हुए कहा कि तेहरान पिछले 47 साल से अमेरिका के साथ श्खेल खेल रहा हैश लेकिन अब ऐसा नहीं चलेगा। वहीं संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा कि अमेरिका युद्ध दोबारा शुरू करने से पहले कूटनीति को पूरा मौका देना चाहता है। उधर ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने युद्ध के बीच सेना के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की। सरकारी मीडिया के अनुसार उन्होंने दुश्मनों के खिलाफ श्कड़े और निर्णायक कदमश जारी रखने के निर्देश दिए हैं। इसी दौरान खाड़ी क्षेत्र में ड्रोन हमलों ने तनाव और बढ़ा दिया। कतर के पास एक जहाज में ड्रोन से आग लग गई, जबकि संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत ने अपने हवाई क्षेत्र में संदिग्ध ड्रोन देखे। यूएई ने दावा किया कि उसने दो ड्रोन मार गिराए और इसके लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि किसी भी हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। कतर ने जहाज पर हमले को बेहद खतरनाक बताया और कहा कि इससे समुद्री व्यापार और जरूरी आपूर्ति को खतरा पैदा हो गया है। वहीं कुवैत की सेना ने भी ड्रोन गतिविधियों की पुष्टि की, लेकिन यह नहीं बताया कि वे कहां से आए थे। युद्ध के दौरान ईरान और उसके सहयोगी संगठन हिजबुल्ला लगातार ड्रोन हमले करते रहे हैं। यह संघर्ष फरवरी में अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमलों के बाद शुरू हुआ था। ईरान ने यह भी कहा है कि उसके परमाणु ठिकानों की सुरक्षा के लिए सेना पूरी तरह तैयार है। ईरानी सेना के अधिकारियों ने दावा किया कि उन्हें आशंका है कि विदेशी ताकतें घुसपैठ या हेलीकॉप्टर ऑपरेशन के जरिए संवर्धित यूरेनियम चुराने की कोशिश कर सकती हैं।

जब ऑपरेशन सिंदूर से दहला था पाकिस्तानः अब हार के दिन भी मना रहा जीत का जश्न, शहबाज ने रचा मारका–ए–हक का पाखंड

इस्लामाबाद, एजेंसी। पिछले साल भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के खौफ से सहमे पाकिस्तान ने अब अपनी खीझ मिटाने के लिए 10 मई को श्मारका–ए–हकश दिवस के रूप में मनाने का पाखंड रचा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को इस्लामाबाद में इसकी घोषणा की। यह वही दिन है जब भारतीय सेना के प्रचंड प्रहार के बाद पाकिस्तान को युद्ध विराम की गुहार लगानी पड़ी थी। इस पूरे विवाद की जड़ सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद था। पिछले साल पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में 26 निर्दोष भारतीय पर्यटकों की जान गई थी। इसका मुंहतोड़ जवाब देते हुए भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। भारतीय जांबाजों ने सीमा पार नौ प्रमुख आतंकी ठिकानों को जमींदोज कर दिया। इस सर्जिकल स्ट्राइक में 100 से अधिक खूंखार आतंकवादी मारे गए थे, जिससे पाकिस्तान का रक्षा तंत्र पूरी तरह ध्वस्त हो गया था। संघर्ष के दौरान पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की नाकाम कोशिश की, जिसे भारतीय सेना ने सीमा पर ही कुचल दिया। हालात इतने बेकाबू हो गए कि शहबाज शरीफ को अमेरिका, सऊदी अरब और चीन जैसे देशों से मदद की भीख मांगनी पड़ी। अंततः 10 मई 2025 को पाकिस्तान ने हॉटलाइन पर घुटने टेके और सैन्य कार्रवाई रोकने की अपील की। भारत ने वैश्विक मंच पर स्पष्ट कर दिया है कि यह समझौता किसी विदेशी दबाव में नहीं, बल्कि पाकिस्तान की सीधी सैन्य हार का नतीजा था।

बड़ा विमान हादसा टला, लैंडिंग के वक्त फ्लाइट के टायर में लगी आग, बाल–बाल बचे यात्री

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल की राजधानी काठमांडू में एक बड़ा विमान हादसा होते–होते बचा। मामले में त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय एक अंतरराष्ट्रीय विमान बड़े खतरे की चपेट में आ गया था। हवाई अड्डा प्रशासन और सुरक्षा कर्मियों की सूझबूझ से एक बड़े हादसे को समय रहते रोक लिया गया।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।